वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 17 | रविवार 12 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भक्तामर प्रणत मोलि मणि प्रभाणाम...

दिगम्बर जैन मंदिर बुधचंद जी में दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान से हुआ आगाज

रविवार को निकलेगी घट यात्रा - नवीन वेदियों में विराजमान होंगे श्री जी

जयपुर. कासं

किशनपोल बाजार के टिक्कीवालों का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्री बुधचंद जी बज में दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान से भव्य आगाज हुआ। रविवार को नवीन वेदियों में जयकारों के बीच जिनबिम्बों को विराजमान करेंगे। अध्यक्ष मोहनलाल बज एवं मंत्री सुभाष कुमार बज ने बताया कि शनिवार, 11 मई को रात्रि 7.15 बजे से जैन सोश्यल ग्रुप हैरिटेज सिटी द्वारा भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान की 278वीं कड़ी का आयोजन किया गया। इस मौके पर 48 दीपकों द्वारा ऋद्धि मंत्रों से युक्त संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर समाजसेवी प्रमोद-रेणूका जैन ने मण्डल पर शास्त्र विराजमान किया। समाजसेवी राजेश बज ने मुख्य मण्डल पर दीप प्रज्जवलन किया। समाजसेवी महेन्द्र - अल्का बैनाडा, कमला - संजय भौच, रविकुमार-राजा देवी बज, पुष्प लता बाकलीवाल ने चतुष्कोणीय दीप प्रज्जवलन किए। पार्षद अरविन्द मेठी एवं राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अनुष्ठान में बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बज ने बताया कि रविवार, 12 मई को प्रातः 6 बजे से मंदिर परिसर में किए गए जीर्णोद्धार कार्य, डोम निर्माण एवं नवनिर्मित 5 वेदियों की शुद्धि पश्चात नवीन वेदियों में श्रीजी को विराजमान किया जाएगा। बज के मुताबिक रविवार को आचार्य निमंत्रण के बाद प्रातः 7 बजे विशाल घट यात्रा निकलेगी। तत्पश्चात प्रतिष्ठाचार्य सनत कुमार जैन के निर्देशन में समाजश्रेष्ठी तारा चंद-हेमलता बज द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। दीप प्रज्जवलन राजेश बज द्वारा किया जाएगा। तत्पश्चात वेदी शुद्धि संस्कार होगें। संगीतकार नवीन कुमार की संगीत मय प्रस्तुति के साथ याज्ञ मण्डल विधान पूजा होगी। प्रातः 11 बजे हवन एवं पूणार्हुति होगी। दोपहर 12.15 बजे मंत्रोच्चार के साथ जयकारों के बीच जिन बिम्बों को नवीन वेदियों में विराजमान किया जाएगा। उपाध्यक्ष संजय भौच के मुताबिक महोत्सव में सौधर्म इन्द्र सुनील - सुमन बज, यज्ञनायक राजीव - रेणू बज, कुबेर राजीव - ममता बज, चक्रवर्ती सुभाष - शशि बज, ईशान इन्द्र विनय - मीना बज, सनतकुमार इन्द्र प्रदीप-अल्का बज, माहेन्द्र मोहनलाल - कमला बज, ब्रम्हेन्द्र ताराचंद - सुमन बाकलीवाल, शुकेन्द्र निर्मल - शर्मिला बज, शतारेन्द्र नवनीत - निशा बज, सहस्त्रारइन्द्र शरद - मनीषा बज होगें। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी नई दिशा में कार्य करें: आचार्य सुनील सागर

अजमेर. कासं। वैशाली नगर स्थित छतरी योजना में दिगंबर जैन आचार्य सुनील सागर जी महाराज ने सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी को आवाह्न करते हुए कहा कि पुराने विचारों को छोड़कर नई दिशा में संगठित होकर कार्य करेंगे तो समाज विकसित होगा वर्तमान समय के अनुसार चलना ही बुद्धिमाता है दिगंबर जैन महा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश जैन ने कहा कि इस अवसर पर महासमिति की प्रदेश अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका, सुनीता गंगवाल व अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए अजमेर की समस्त दिगंबर जैन महासमिति के पुरुष एवं महिला संभाग के सदस्यों ने आचार्य श्री जी के समक्ष श्रीफल भेंट कर मार्गदर्शन की अपील की अजमेर संभाग की अध्यक्ष रूपश्री जैन ने बताया कि अजमेर संभाग सामाजिक सरोकार के बेहतरीन कार्यक्रम की शृंखला बना रखी है वह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। महासमिति के पदाधिकारी का उत्साह देखकर उनकी योजनाओं को समझकर आज कई नए सदस्यों ने महासमिति से जुड़ने का प्रस्ताव रखा यह अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है आचार्य श्री जी का दूर दृष्टि सोच बताता है कि वर्तमान को किस प्रकार के समाज की आवश्यकता है वह युवा वर्ग दिशा से विचलित ना हो इसलिए सामाजिक संस्थाओं को कोऑर्डिनेशन हार्मनी थे यूनाइटेड होकर काम करने की आवश्यकता है बड़ा रहा पंचायत के अध्यक्ष प्रदीप पाटनी ने अतिथियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर अरुण सेठी, मनोज मोरासिया, संजय बाकलीवाल, मनीष सेठी, अशोक पहाड़िया ,नरेंद्र गोद ,राजेंद्र पत्नी राजकुमार लोहारिया महिला संभाग से श्रीमती अनुभा बाकलीवाल निक्की जैन, कुसुम जैन, कविता सेठी उषा जैन व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मदर्स डे 12 मई 2024 पर विशेष

मां है संवेदना, प्रेम और ममत्व की पराकाष्ठा

डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर

अन्तर्राष्ट्रीय मातृत्व दिवस सम्पूर्ण मातृ-शक्ति को समर्पित एक महत्वपूर्ण दिवस है। पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां का ऋण नहीं चुकाया जा सकता। संतान के लालन-पालन के लिए हर दुख का सामना बिना किसी शिकायत के करने वाली मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं। मां के लिए कोई भी शब्द, लेख या उपाधि कम होगी। उनके प्यार और समर्पण को जिंदगी लगाकर भी जताया नहीं जा सकता है। लेकिन फिर भी एक दिन है जो पूरी तरह मां को समर्पित होता है, इस दिन को मदर्स डे कहते हैं। साल 2024 में मातृत्व दिवस यानी मदर्स डे 12 मई रविवार को मनाया जाएगा। माँ के बिना जीवन की उम्मीद नहीं की जा सकती अगर माँ न होती तो हमारा अस्तित्व ही न होता। यह एक सामान्य कहावत है कि भगवान हर जगह मौजूद नहीं हो सकते थे इसलिए उन्होंने माँ को बनाया। कहावत भी सच है क्योंकि माँ की स्थिति भगवान से कम नहीं है। वह वो है जिसने हमें जीवन दिया और हमें अपने पैरों पर खड़ा किया। वह थके होने के बावजूद अपने बच्चों के लिए निस्वार्थ प्रेम और कभी तैयार होने की मूर्ति है। वह होती है तो उसकी ईश्वरीय छाया सुख देती है जब 'नहीं' होती है तब उसके आशीर्वादों का कवच हमें सुरक्षा प्रदान करता है। वक्त जिस गति से विकृत होता जा रहा है ऐसे में क्या इस दिन पर हर युवक अपनी मां को स्पर्श कर यह कसम खा सकता है कि नारी जाति का अपमान न वह खुद करेगा और न कही होते हुए देखेगा। मातृ दिवस पर बेटियों का सम्मान और सुरक्षा देने का वचन दीजिए ताकि आनेवाले कल में भावी-मां का अभाव ना हो सके। हे मां ! तुझे प्रणाम।

सुपुत्रों से आज मेरा नम्र निवेदन।
दुख न दें, भले न दे सुख का आंगन।।

माँ के पास ढ़ेर सारी जिम्मेदारियाँ होती हैं वो उसको लगातार बिना रुके और थके निभाती है। वो एकमात्र ऐसी इंसान है जिनका काम बिना किसी तय समय और कार्य के तथा असीमित होती है। एक मां का अपने बच्चे से रिश्ता, दुनिया के किसी भी रिश्ते से नौ माह पुराना होता है और सबसे करीब होता है। हमारे व्यक्त्वि को बनाने और संवारने में सबसे बड़ा रोल मां ही निभाती है। मां का कोई रंग–रूप नहीं होता क्योंकि उसकी पहचान निस्वार्थ प्रेम और ममता से की जाती है। यही कारण है कि मां शब्द सुनते ही हमारा सिर स्वयं नतमस्तक हो जाता है। वास्तव में मां है तो ही हम हैं। हमारा जीवन मां के उन उपकारों से भरा है जिनकी कीमत कभी नहीं चुकाई जा सकती।

आधुनिक कहे जा रहे समाज में बहुत से परिवारों में बडे.होने पर बेटियां व बेटे शायद ही कभी अपनी मां के पास वक्त निकालकर बैठते हैं और उसे खुशी पहुँचाने वाली बातें करते है। मां और बच्चों के बीच दूरी बढ़ने लगी है। कम पढ़ी-लिखी या अनपढ़ मां के साथ बच्चे किस विषय पर संवाद बनाएं यह उन्हें समझ नहीं आता। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने माँ की महिमा को उजागर करते हुए कहा है कि जब मैं पैदा हुआ, इस दुनिया में आया, वो एकमात्र ऐसा दिन था मेरे जीवन का जब मैं रो रहा था और मेरी माँ के चेहरे पर एक सन्तोषजनक मुस्कान थी। एक माँ हमारी भावनाओं के साथ कितनी खूबी से जुड़ी होती है ये समझाने के लिए उपरोक्त पंक्तियां अपने आप में सम्पूर्ण हैं। एक माँ सभी के जीवन में एक ऐसी शख्सियत होती है जिसे हमारे दिलों में कभी नहीं बदला जा सकता है। वह माँ प्रकृति की तरह है जो केवल बदले में कुछ लेने के बिना देना जानती है। हम उसे अपने जीवन के पहले क्षण से देखते हैं जब हम इस दुनिया में अपनी आँखें खोलते हैं लेकिन हम उसे उसके गर्भ में नौ महीने पहले महसूस करते हैं। जब भी हम बोलना शुरू करते हैं तो हमारा पहला शब्द माँ बन जाता है। वह इस दुनिया में हमारा पहला प्यार, पहला शिक्षक और पहला दोस्त है। जब हम पैदा होते हैं तो हम कुछ भी करने में असमर्थ होते हैं, लेकिन यह वह है जो हमें अपनी बाहों में विकसित और विकसित करता है। वह हमें इस दुनिया को समझने में मदद करती है। मां और बच्चे का रिश्ता इतना प्रगाढ़ और प्रेम से भरा होता है, कि बच्चे को जरा ही तकलीफ होने पर भी मां बेचैन हो उठती है। वहीं तकलीफ के समय बच्चा भी मां को ही याद करता है। मां का दुलार और प्यार भरी पुचकार ही बच्चे के लिए दवा का कार्य करती है। इसलिए ही ममता और स्नेह के इस रिश्ते को संसार का खूबसूरत रिश्ता कहा जाता है। दुनिया का कोई भी रिश्ता इतना मर्मस्पर्शी नहीं हो सकता। मां शब्द के लिए दुनियाभर के साहित्य में बहुत कुछ लिखा गया है। मां ही दुनिया में ईश्वर द्वारा बनाई गई एक ऐसी कृति है, जो निस्वार्थ भाव में मरते दम तक अपने बच्चों पर प्यार लुटाती रहती है। मदर्स डे हर वर्ष मई माह के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस लिहाज से इस बार मदर्स डे 12 मई को मनाया जाएगा। मां और बच्चों का रिश्ता इस दुनिया का सबसे खूबसूरत रिश्ता है, जो बगैर किसी शर्त और बगैर किसी उम्मीद के साथ पूरा होता है। मां शब्द के उच्चारण के साथ ही वैसा लगता है जैसे सारी प्रकृति उसमें समा गई। मां अपने बच्चों को अच्छे से अच्छा लालन-पालन करती है। आज देख रहे हैं नई पीढी को पैसा कमाना तो सिखा रहे हैं लेकिन रिश्तों का मूल्य समझाना शायद भूलते जा रहे है। ऐसे परिवेश में हर मां की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने बच्चों की अच्छी मार्गदर्शिका बने। बच्चों को रिश्तों का मूल्य, नैतिक जिम्मेदारी, धैर्य, संयम और त्याग का मूल्य बताएं। उनका मनोबल बढ़ाएं। आज के बच्चों को एक अच्छे मार्गदर्शक की अधिक जरूरत है। निरंतर देकर जो खाली नहीं होती , कुछ ना लेकर भी जो सदैव दाता बनी रहती है उस मां को इस एक दिवस पर क्या कहें और कितना कहें। यह एक दिवस उसकी महत्ता को मंडित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। हो भी नहीं सकता। हमारे जीवन के एक-एक पल-अनुपल पर जिसका अधिकार है उसके लिए मात्र 365 दिन भी कम हैं। लेकिन नहीं, यह दिवस मनाना जरूरी है। इसलिए कि यही इस जीवन का कठोर और कड़वा सच है कि मां इस पृथ्वी पर सबसे ज्यादा उपेक्षित और अकेली प्राणी है। कम से कम इस एक दिन तो उसे उतना समय दिया जाए जिसकी वह हकदार है। उसके अनगनित उपकारों के बदले कुछ तो शब्द फूल झरे जाएं...।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सम्यक द्वारा अक्षय तृतीया पर भक्तामर पाठ का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक द्वारा अक्षय तृतीया, आदिनाथ भगवान के पारणा दिवस के शुभ अवसर पर 10 मई शुक्रवार को जनकपुरी जैन मंदिर में भक्तामर दीप अर्चना का आयोजन किया । आचार्य शशांक सागर मुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में 48 रिद्धि मन्त्रों द्वारा भक्तामर दीप अर्चना का भक्ति पूर्ण कार्यक्रम ग्रुप की नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों के द्वारा आयोजित किया गया । भक्तामर के श्लोक, श्लोकों का हिंदी भावानुवाद, एवं रिद्धि मंत्रों का वाचन आचार्य शशांक सागर मुनिराज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश -सीमा बड़जात्या, जनकपुरी मंदिर कार्यकारिणी अध्यक्ष पदम बिलाला, सचिव देवेंद्र कासलीवाल, कोषाध्यक्ष सौभाग अजमेरा, ज्ञान चंद , जिनेन्द्र श्रीमाल, राजेन्द्र ठोलिया, जे के जैन,महेश काला, महिला मंडल एवं संगिनी फॉरएवर ग्रुप की अध्यक्ष शकुन्तला बिंदायका, महिला मंडल एवं संगिनी फॉरएवर के सदस्य, प्रदीप चाँदवाड़, महावीर कोठारी, मयंक मनीष , दिलीप आदि अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही। सम्यक ग्रुप के संरक्षक महावीर-शकुंतला बिंदायका, संस्थापक अध्यक्ष महावीर-लक्ष्मी बोहरा, अध्यक्ष डॉ इन्द्र कुमार-स्नेह जैन, सचिव नवल-सुनीता जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश-कल्पना शाह, सुनील-सीमा ठोलिया, महेश-सरला काला आदि सदस्यों ने पूर्ण सहभागिता कर कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराया । सम्यक ग्रुप के अध्यक्ष डॉ इन्द्र कुमार जैन ने मंदिर कार्यकारिणी एवं सभी आगंतुक धर्मावलंबियों का धन्यवाद ज्ञापित किया ।

अक्षय तृतीया पर सुपार्श्व नाथ मंदिर में हुआ आदिनाथ मंडल विधान

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर शास्त्री नगर स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि 108 श्री प्रशम सागर जी व 108 श्री साध्य सागर जी के सानिध्य में सामूहिक रूप से आदिनाथ मंडल विधान का आयोजन हुआ।इस अवसर पर सभी दिगम्बर जैन मंदिरों में अभिषेक,शांतिधारा व आदिनाथ भगवान की विशेष पूजा अर्चना की गई। महाराज सा ने अक्षय तृतीया पर्व पर दान का विशेष महत्व बताया ओर कहा कि इसी दिन से आहार दान की परंपरा शुरू हुई।अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान आदिनाथ को राजा श्रेयांश ने इक्षु रस का आहार दिया था। महिला मंडल की मैना बज ने बताया किइसी श्रद्धा से आज भक्तों द्वारा दोनो मुनिराजो को आहार देने की होड़ लगी थी।आहार देने के लिए श्रावक श्राविकाओं का सैलाब उमड़ पड़ा।इस पवित्र दिवस पर दिगंबर जैन समाज ने सभी को मंगल शुभकामनाएं प्रेषित की। महिला महासमिति की संरक्षिका मनोरमा अजमेरा ,नम्रता गदिया ने बताया कि साधर्मी जनों को गन्ने का रस पिलाया गया।महिला महासमिति की अध्यक्ष मंजु सेठी ने बताया कि जीव दया हेतु व अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मनिंद्र जैन के 11 मई को जन्मदिवस के पूर्व अवसर पर पक्षियों के लिए परिंडे बांधे गए।महिलाओं को परिंडे वितरण भी किए गए ओर प्रतिदिन जल भरने का संकल्प दिलाया गया। कोषाध्यक्ष प्रियंका गदिया का विशेष सहयोग रहा। महामंत्री आशा वैद,नीलम चौधरी ने जानकारी दी कि इस अवसर पर समाज के पुरुष, स्त्रियां,बच्चे उपस्थित थे।

पार्श्व जैन मिलन अशोकनगर ने मनाया आहार दान दिवस

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोक नगर। आज पार्श्व जैन मिलन अशोकनगर द्वारा प्रातः भगवान श्री आदिनाथ स्वामी का अभिषेक पूजन करके प्रारंभ किया आहार दान दिवस । श्री आदीनाथ भगवान जब मुनि अवस्था में थे उस समय 13माह 9 दिवस के वाद राजा श्रैयांस द्वारा उन्हें प्रथम आहार दिया गया था । उसी दिन से अक्षय तृतीया का दिन आहार दान दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज समाज सेवी संस्था पार्श्व जैन मिलन अशोकनगर द्वारा अशोकनगर के सोनी कालोनी स्थित पार्श्वनाथ मंदिर में सभी को इक्छूरस का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में पार्श्व जैन मिलन अशोकनगर के सभी वीर उपस्थित रहे ओर सभी ने इस कार्यक्रम की सराहना की।इस कार्यक्रम में अध्यक्ष वीर जीतू जैन, मंत्री वीर नीरज जैन, पूर्व अध्यक्ष अतिवीर सुयोग जैन, पूर्व मंत्री वीर धीरेन्द्र जैन ,कोषाध्यक्ष वीर दीपक जैन ,संरक्षक अतिवीर नरेश चंद्र जैन ,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर सुनील जैन धन्नू ,वीर मनीष जैन, वीर विनोद जैन पडौरा ,वीर रिंकु जैन ओडेर, वीर राजेश जैन, वीर संतोष जैन, वीर प्रवीण जैन, वीर संजीव जैन ,वीर महावीर जैन, वीर राजेश जैन सहित समाज के सभी वीर वीरांगना उपस्थित रहे ओर इक्षुरस ग्रहण किया।

अक्षय तृतीया पर्व पर बच्चों में वितरित किए टी शर्ट और लोअर

अजमेर लायंस की सेवा पाकर बच्चे हुए खुश

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर लायंस क्लब अजमेर एवम लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी के सहयोग से भजन गंज स्थित शिव मंदिर पर 5 साल से 11 साल तक के बच्चों को ग्रीष्म ऋतु में शीतलता प्रदान करने वाले 100 से अधिक टी-शर्ट और लोअर वितरित किए। क्लब अध्यक्ष पी के शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक प्रांतीय सभापति हंगर रिलीफ लायन अतुल पाटनी के संयोजन में प्रातः निर्धारित 11:00 बजे बच्चों का समूह आकर के शिव मंदिर पर एकत्रित होता गया। बच्चों को उनके साइज के अनुरूप वस्त्र दिए गए जिन्हें पाकर बाल गोपाल प्रसन्नता से खिल उठे। इस अवसर पर बच्चों में टॉफियां भी वितरित की गई। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष डॉ. पीके शर्मा, अतुल पाटनी, सुरेंद्र बाला शर्मा, बीएल अग्रवाल, बृज मोहन बंसलवाल, विजय कुमार शर्मा इत्यादि ने वितरण व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

वेद ज्ञान

जीवन में लक्ष्य जरूरी है...

हर मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है। लक्ष्य के बिना उसका जीवन व्यर्थ होता है।एक राहगीर ने एक संत से पूछा कि महाराज यह रास्ता कहां जाता है? संत ने जवाब दिया कि ये रास्ता कहीं नहीं जाता है। आप बताइए कि आपको कहां जाना है? व्यक्ति ने कहा कि महाराज मुझे मालूम ही नहीं है कि जाना कहां है। संत ने कहा कि जब कोई लक्ष्य ही नहीं है तो फिर रास्ता कोई भी हो उससे क्या फर्क पड़ता है, आप भटकते रहिए।जिस व्यक्ति के जीवन में कोई लक्ष्य नहीं होता वह अपनी जिंदगी तो जीता है, लेकिन वह इसी राहगीर की तरह यहां-वहां भटकता रहता है।दूसरी ओर जीवन में लक्ष्य होने से मनुष्य को मालूम होता है कि उसे किस दिशा की ओर जाना है।वास्तव में असली जीवन उसी का है जो परिस्थितियों को बदलने का साहस रखता है और अपना लक्ष्य निर्धारित करके अपनी राह खुद बनाता है। महात्मा गांधी कहते हैं कि कुछ न करने से अच्छा है, कुछ करना।जो कुछ करता है, वही सफल-असफल होता है। हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान अपनी क्षमताओं के अनुसार ही लक्ष्य तय करता है।विद्यार्थी के लिए परीक्षा में प्रथम आना तो नौकरी-पेशे वालों के लिए पदोन्नाति पाना, जबकि किसी गृहणी के लिए आत्मनिर्भर बनना उसका लक्ष्य हो सकता है। हालांकि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य तय करना चाहिए, लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए।जब हम छोटे-छोटे लक्ष्य रखते हैं और उन्हें हासिल करते हैं तो हममें बड़े लक्ष्यों को हासिल करने का आत्मविश्वास आ जाता है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी लक्ष्य के बारे में सोचो। स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए। फिर जुट जाओ, उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए। धुन सवार हो जानी चाहिए आपको। सफलता अवश्य आपके कदम चूमेगी। असल में जब आप कोई कर्म करते हैं तो जरूरी नहीं कि आपको सफलता मिल ही जाए, लेकिन आपको असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। अगर बार-बार भी असफलता हाथ आती है तो भी आपको निराश नहीं होना है।इस बारे में विवेकानंद कहते हैं, एक हजार बार प्रयास करने के बाद यदि आप हार कर गिर पड़े हैं तो एक बार फिर से उठें और प्रयास करें।

संपादकीय

सियासी खींचतान के बीच लोकतंत्र का मजाक!

चलते चुनाव में हरियाणा की राज्य सरकार अल्पमत में आ गई। उसकी सबसे बड़ी सहयोगी जननायक जनता पार्टी यानी जजपा तो करीब ढाई महीने पहले ही साथ छोड़ गई थी, इस हफ्ते तीन निर्दलीय विधायक भी हाथ छुड़ा कर अलग खड़े हो गए। इस तरह सरकार अल्पमत में आ गई। स्वाभाविक ही विपक्षी कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग तेज कर दी है।मगर मुख्यमंत्री का कहना है कि उनकी सरकार को फिलहाल कोई खतरा नहीं है। संवैधानिक प्रावधान है कि अगर किसी सरकार ने सदन में बहुमत हासिल किया है, तो वह छह महीने तक काम कर सकती है। मार्च में जब मनोहरलाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया, तो जजपा ने भाजपा का साथ छोड़ दिया था। तब बहुमत साबित करना पड़ा था। अब जब कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पर नैतिक दबाव बनाना शुरू किया है, तो जजपा भी उसके साथ खड़ी हो गई है। दोनों दलों ने राज्यपाल को चिट्ठी लिख कर मिलने का वक्त मांगा है। हालांकि इससे उन्हें कोई उल्लेखनीय कामयाबी मिलने की संभावना कम है। इन दोनों दलों की हड़बड़ी और भाजपा की निश्चिंतता की वजहें भी स्पष्ट हैं। दरअसल, सैनी सरकार को बहुमत के लिए केवल एक विधायक की जरूरत है, जो इस महीने होने वाले करनाल विधानसभा उपचुनाव के बाद, संभव है उसे मिल जाए।हरियाणा में मुख्यमंत्री बदलने, जजपा के अलग होने और अब निर्दलीय विधायकों के छिटक जाने के पीछे का गणित किसी से छिपा नहीं है। यह सब आम चुनाव का बिगुल बजने से ठीक पहले हुआ। किसान आंदोलन के बाद से हरियाणा में लोग सरकार के विरोध में हैं। दूसरी बार जब किसान एक बार फिर से दिल्ली की तरफ बढ़ने लगे थे, तब जिस तरह उन्हें रोकने का प्रयास किया गया, लगातार उन पर आंसू गैस के गोले बरसाए गए और पुलिसिया दमन का सहारा लिया गया, उससे खट्टर सरकार के प्रति नाराजगी और बढ़ गई। जजपा चूंकि सरकार का हिस्सा थी, इसलिए उसके प्रति भी बराबर की नाराजगी देखी गई। भाजपा ने मुख्यमंत्री बदलकर उस नाराजगी को हल्का करने का प्रयास किया, तो जजपा ने भाजपा से अलग होकर। सरकार का साथ दे रहे निर्दलीय विधायक भी उस नाराजगी से बचे नहीं थे। फिर, इसी साल अक्तूबर-नवंबर में वहां विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में दोनों पार्टियों और निर्दलीय विधायकों ने आम चुनाव के साथ-साथ विधानसभा चुनाव का समीकरण भी साधने का प्रयास किया। मगर वास्तव में उन्हें इसका कितना लाभ मिल पाएगा, कहना मुश्किल है। अब जब निर्दलीय विधायकों के छिटकने से सरकार कमजोर पड़ गई है, कांग्रेस को वहां अपना जनाधार बढ़ाने का अवसर हाथ लग गया है। चलते आम चुनाव की सरगर्मी में वह इसे भुना लेना चाहती है। अगर तत्काल किसी तरह राज्य में तख्ता पलट संभव हो पाता है, तो न केवल लोकसभा चुनाव, बल्कि विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस का हाथ मजबूत हो सकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

केजरीवाल को राहत

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देकर प्रथम दृष्टया चुनाव और लोकतंत्र का महत्व बढ़ाया है। शीर्ष अदालत ने पूरी सुनवाई के बाद उन्हें 1 जून तक रिहाई दी है। देश में मतदान का आखिरी चरण 1 जून को संपन्न होगा और 2 जून को उन्हें समर्पण करना होगा, वह फिर जेल जाएंगे।इसका सीधा अर्थ है कि चुनाव के बचे हुए कम से कम तीन चरणों में केजरीवाल ठीक से चुनाव प्रचार कर पाएंगे। बेशक, आम आदमी पार्टी में एक नए जोश का संचार होगा और विपक्षी गठबंधन को भी मजबूती मिलेगी। हालांकि, यह अंतरिम जमानत सशर्त है। रिहाई के इन 21 दिनों में वह मुख्यमंत्री का कोई कर्तव्य नहीं निभाएंगे। वह मुख्यमंत्री कार्यालय और सचिवालय नहीं जाएंगे। अपने इस मुकदमे के बारे में चर्चा नहीं कर पाएंगे। सबसे बड़ी बात, वह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपनी भूमिका के बारे में भी कोई टिप्पणी नहीं कर पाएंगे, जिसमें उन्हें गिरफ्तार किया गया है।इसके बावजूद अनेक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि चुनाव प्रचार के लिए आम आदमी पार्टी के पास मुद्दों का अभाव नहीं है। अरविंद केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत के दो मुख्य आधार हैं। पहला आधार तो यही है कि मुकदमा नया नहीं है, पर गिरफ्तारी के समय को लेकर सवाल लाजिमी है। किसी भी पार्टी के प्रमुख या मुख्यमंत्री के लिए चुनाव प्रचार का विशेष महत्व होता है। किसी पुराने मामले में अगर ठीक चुनाव से पहले कार्रवाई शुरू होती है, तो संदेह की गुंजाइश बन जाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस तथ्य को माना है और ईडी के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है। अगर ईडी गिरफ्तारी के समय और जरूरत को न्यायोचित ठहरा पाती, तो दिल्ली के मुख्यमंत्री को 21 दिन की रिहाई नसीब नहीं होती। दूसरी बात, मुकदमा होने के बाद भी केजरीवाल मुख्यमंत्री थे और उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था, वह मुकदमे से जुड़े तथ्यों के साथ तब भी खिलवाड़ कर सकते थे, पर अदालत की नजरों में उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिसका लाभ उन्हें रिहाई के रूप में मिला है। सर्वोच्च न्यायालय ने साफ इशारा किया है कि अभी अपराध सिद्ध नहीं हुआ है और केजरीवाल समाज के लिए खतरा नहीं हैं। इन तथ्यों की रोशनी में ईडी केजरीवाल की रिहाई का ठीक से विरोध नहीं कर सकी है। खैर, ईडी के पास अभी भी मौका है, उसे आगामी दिनों में पूरी तैयारी और अकाट्य साक्ष्यों के साथ अदालत में आना होगा, वरना एक मुख्यमंत्री को ज्यादा समय तक जेल में रखना गरिमामय नहीं है।\ल्लखैर, अदालत में 2 जून को चाहे जो हो, आगामी 21 दिन केजरीवाल के लिए उतने ही अहम होंगे, जितने उनके विरोधियों के लिए। विशेष रूप से दिल्ली और पंजाब में अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता या प्रासंगिकता से भला कौन इनकार कर सकता है? अगर इन दोनों राज्यों में आम आदमी का प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो इससे दिल्ली के मुख्यमंत्री को भी अपनी बात मजबूती से रखने का आधार मिलेगा। लोकतंत्र में बहुत हद तक जनता ही फैसला करती है, किसी दागी को किनारे लगाने की बात हो या सत्ता सौंपने की बात, जनादेश के बाद ही व्यवस्था को आगे बढ़ने या ठिठक जाने का इशारा मिलता है। बेशक, यह एक विरल मामला है, जब जेल में बंद एक मुख्यमंत्री या नेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत का लाभ दिया गया है, पर यह समग्र भारतीय राज्य की उदारता का नवीनतम प्रमाण है।

जैन मंदिर, पारस विहार, मुहाना मंडी, मोहनपुरा में आदिनाथ भगवान के हुए पंचामृत अभिषेक एवं शान्तिधारा

जयपुर. शाबाश इंडिया। चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार मुहाना में बड़े हर्षोल्लास के साथ श्वेत पाषाण के आदिनाथ भगवान की प्रतिमा पर पंचामृत अभिषेक एवं शान्तिधारा की गई। मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन कुमार गोदीका ने बताया कि महाश्रमण आचार्य श्री 108 कुशाग्र नंदीजी गुरुदेव के आशीर्वाद से आदि तीर्थंकर 1008 श्री आदिनाथ भगवान के प्रथम पारणा दिवस अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर सकल जैन समाज मोहनपुरा, मुहाना एवं आसपास की समस्त कालोनी के साधर्मी बंधुओं की उपस्थिति में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर पंचामृत अभिषेक व शान्तिधारा करने का सौभाग्य सुभाष -अभिषेक जैन(गोदीका) परिवार, नरेश -सुमन अजमेरा, गुलाब विहार परिवार को मिला एवं ईक्षू रस का वितरण का सौभाग्य संतोष जैन सडू वालों को मिला। समाज के साधर्मी जन समुह ने अक्षय तृतीया के महापर्व पर अभिषेक, शान्तिधारा के पश्चात ईक्षू रस को ग्रहण कर पुण्य का संचय किया।

अक्षय तृतीया के अवसर पर शांति मंगल धाम का लोकार्पण एवं शान्तिनाथ महामंडल विधान का हुआ आयोजन

डाबी. शाबाश इंडिया। बूंदी राजस्थान हाड़ी रानी कवि सूर्यमलमिश्रण की पावन भूमि छोटी काशी के नाम से सुविख्यात प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण बूंदी जिले के अंतर्गत डाबी के श्री 1008 पार्श्व नाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान परम पूज्य आचार्य श्री 108 सुमति सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 वैराग्य सागर जी महाराज एवं वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 सुप्रभ सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में दिनांक 9 मई एवम् 10 मई 2024 को शांति मंगल धामस का लोकार्पण शान्तिनाथ महामंडल विधान का आयोजन हर्षोल्लास के मंगल मय वातावरण में आयोजित किया गया।इस अवसर पर सुश्री सौम्या जैन ने बांसुरीवादन के माध्यम से मंगलाचरणपाठ किया।पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा ने बताया कि सुश्री सौम्या जैन विभिन्न आयोजनों में अपनी प्रस्तुति के माध्यम से विगत तीन वर्षो से करती आ रही है इसको अनेकानेक साधु संतो का मंगल आशीर्वाद मिला हुआ है।

एलआईसी मंडल कार्यालय जयपुर प्रथम के परिसर में 400 परिंडो का वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जीवन बीमा निगम मंडल कार्यालय जयपुर प्रथम के परिसर में वरिष्ठ मंडल प्रबंधक संजय कुमार एवं जयपुर नगर निगम ग्रेटर के उपमहापौर पुनीत कर्णावट, नवीन भंडारी ट्रस्टी श्रीराम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट की अगुवाई में उनकी प्रेरणा से भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों की सेवा हेतु दाना पानी की व्यवस्था के लिए 400 परिंडे का वितरण किया गया। इस अवसर पर भारतीय जीवन बीमा निगम के समस्त कर्मचारियों व अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इस कार्य को सफल बनाने का बीड़ा उठाया। इस अवसर पर अनिल वंगानी, विपणन प्रबंधक, अशोक कुमार जैन व पवन कुमार प्रबंधक कार्मिक भी उपस्थित रहे।

नेमीसागर कालोनी में अक्षय तृतीया पर्व मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। वैशाली नगर की नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में भगवान आदिनाथ के प्रथम पारणा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर जी में अडतालीस ऋद्धि मंत्रो युक्त विशेष शांतिधारा की गई। श्रावको द्वारा इस अवसर पर सुख समृद्धि एवं विश्व शांति की कामना की गई एवं दान के महत्व को समझा। साथ ही अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर इक्षु रस पान की व्यवस्था की गई। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि इस कार्यक्रम के पुण्यार्जक संजीव, पिंकी कासलीवाल एवं परिवार थे। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अक्षय तृतीया पर्व महान...

भगवान आदिनाथ के जयकारों से गूंजे जिनालय

जैन धर्मावलंबियों ने भक्ति भाव से मनाया अक्षय तृतीया पर्व। जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के प्रथम पारणा दिवस पर हुए धार्मिक व सामाजिक आयोजन

इक्षु रस से किए भगवान आदिनाथ के पंचामृत अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का प्रथम पारणा दिवस अक्षय तृतीया पर्व शुक्रवार, 10 मई को जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति भाव से मनाया गया।इस मौके पर शहर के जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। कई स्थानों पर सामाजिक आयोजन किए गए। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि अक्षया तृतीया के दिन जैन बन्धुओं द्वारा दान देने की परम्परा है।इस दिन इक्षु रस से राजा श्रेयांस द्वारा हस्तिनापुर में 13 माह की कठिन तपस्या के बाद जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का मुनि रुप में प्रथम आहार करवाया गया था। श्री जैन के मुताबिक मंदिरों में प्रातः भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात आमजन को इक्षु रस पिलाया गया। रात्रि में महाआरती के बाद भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान दीप महाअर्चना का आयोजन किया गया। कई मंदिरों में भगवान आदिनाथ के इक्षु रस सहित पंचामृत अभिषेक एवं भगवान आदिनाथ की पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। इस मौके पर जैन बन्धुओं द्वारा मुनियों, आचार्य, आर्यिका माताजी को आहार चर्या करवाई गई। आहार दान दिया गया। मंदिरों में गेहूं एवं गुड़ पाट पर चढाया गया। श्री जैन के मुताबिक पुलक जन चेतना मंच,श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति, सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था, जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो द्वारा सेवा कार्य किए गए। जैन ने बताया कि जनकपुरी के श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य शशांक सागर महाराज के सानिध्य में अक्षय तृतीया महापर्व मनाया गया। इस मौके पर प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, कमल बाबू जैन, पदम बिलाला, जिनेन्द्र जैन जीतू, महेश सेठी, वी 7बी जैन सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। इस मौके पर आचार्य श्री का अवतरण दिवस मनाया गया। संगीतमय पूजा की गई। आचार्यों के अर्घ्य चढाये गये। रात्रि में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक द्वारा भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान का संगीतमय आयोजन किया गया। जैन के मुताबिक दुगार्पुरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर एवं झोटवाड़ा के पटेल नगर स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन, मालवीय नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गायत्री नगर के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, एस एफ एस के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात आमजन को इक्षु रस पिलाया गया। सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में रात्रि में महाआरती के बाद भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान दीप महाअर्चना का आयोजन किया गया।इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, अध्यक्ष नवीन जैन, मंत्री धनेश सेठी, सुशील झांझरी, शिखर चन्द जैन, दीपिका जैन कोटखावदा सहित बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसके साथ ही सूरजपोल गेट स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मोहनबाडी में पं.प्रद्युम्न शास्त्री के निर्देशन में आदिनाथ पूजा विधान किया गया। बापूनगर चैत्यालय, टोडरमल स्मारक,जय जवान कोलोनी,लालकोठी, महारानी फार्म,एस एफ एस, त्रिवेणी नगर सहित कई मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए। कई मंदिरों में भगवान आदिनाथ के इक्षु रस से पंचामृत अभिषेक किए गए।

किसान नेता कुम्भाराम आर्य की 110वी जयंती मनाई

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। शुक्रवार दिनांक 10 मई को राजस्थान सरकार के भूतपूर्व कैबिनेट मंत्री, सीकर लोकसभा क्षेत्र के भूतपूर्व सांसद, महान स्वतंत्रता सेनानी और किसान मसीहा चौधरी कुंभाराम जी आर्य की 110 वीं जयंती के उपलक्ष्य में गांव के मुख्य स्वतंत्रता सेनानी चौक कुदन में स्थापित उनकी प्रतिमा पर गांव वालों ने माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गई । तथा उनके कार्यों को याद किया गया । जिसमें भूमि सुधार अधिनियम 1954 को पारित करवरकर कुंभाराम जी ने किसानों को मुफ्त में जमीन का मालिक बनाया और पंचायती राज की स्थापना में उनकी अहम भूमिका रही। इस पुष्पांजलि कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि सुल्तान सुंडा, किसान नेता पुरणमल जगत चाचा, किसान नेता रामचंद्र सुंडा, उमेद सिंह महला अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक झुन्झुनू ,भागीरथ मल सुडा, रिछपाल सुंडा , हरिराम सुडा, निवास सुडा, महावीर फगेड़िया, जगदीश काजला, बनवारी सुडा रामनिवास नाड़ी मदनलाल सुंडा,कालु सोनी सुधीर शर्मा आदि उपस्थित रहे।

महासमिति वामा संभाग द्वारा अक्षय तृतीया पर हुए कई धार्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के प्रवर्तक व प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का प्रथम पारणा दिवस अक्षय तृतीया (दान दिवस) पर्व शुक्रवार 10 मई को श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति वामा संभाग, जयपुर द्वारा भक्ति भाव से श्री केसरिया पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर केसर चौराहा पर मनाया गया । महिला महासमिति की महिलाओं ने पूजन के दौरान भजनों पर नृत्य किया वहीं राहगीरों के लिए जगह जगह पानी के प्याऊ, गायों के लिए टंकी तथा बेजुबानों पक्षियों के लिए परिंडे लगाए सायं काल महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । इस मौके पर अध्यक्ष मोना झांझरी, उपाध्यक्ष उषा बड़जात्या, मंत्री शिवानी बाकलीवाल,सह मंत्री भावना पाटनी, कोषाध्यक्ष रंजना जैन, महिला प्रकोष्ठ मंत्री मनीषा जैन, सांस्कृतिक मंत्री यामनी गोधा, स्वास्थ्य मंत्री शालू झांझरी , धार्मिक मंत्री नीलम जैन,शिवलू जैन, पूनम सेठी, सीमा जैन, अंशु जैन, ललिता जैन,रंजना पाटनी सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

बल्केश्वर में श्री सर्वतोभद्र जिनालय का हुआ भूमि शिलान्यास समारोह

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आचार्यश्री विरागसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसन्त सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आगरा के बल्केश्वर स्थित गंगेगौरी बाग के निकट न्यू आदर्श नगर में प्रस्तावित भूमि पर आगरा का प्रथम बल्केश्वर ग्रेटर कमलानगर मे नवनिर्मित होने जा रहे श्री सर्वतोभद्र जिनालय का भूमि शिलान्यास समारोह अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर 10 मई को बल्केश्वर स्थित गंगेगौरी पार्क में बने विशाल पंडाल पर आयोजित किया गया। जिसमें प्रहलाद जैन ने विशाल पंडाल का फीता खोलकर समारोह का शुभारंभ किया। शिलान्यास समारोह का ध्वजारोहण अतुल जैन एव अमन जैन परिवार द्वारा किया। ध्वजारोहण के बाद श्री सर्वतोभद्र दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने गणाचार्यश्री विराग सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया । सौभाग्यशाली भक्तों ने उपाध्याय श्री विहसन्तसागर जी महाराज के चरणों का पाद प्रक्षालन किया। पीएनसी परिवार की महिलाओं ने उपाध्यायश्री को शास्त्र भेंट किए। समारोह के मध्य में भक्तों को उपाध्यायश्री विहसन्तसागर जी महाराज ने मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि नवीन मंदिर बनाने से जीवन में सुख शांति प्राप्त होती है। मंदिर में पूजा करने से धर्म की प्राप्ति होती है और पुण्य प्राप्त होता है। दान करने से अगले भव का निर्माण होता है। इस अवसर पर आयोजन समिति ने सभी अतिथियों का माला, पगड़ी पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया। इस दौरान श्री सर्वतोभद्र दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारीओं ने उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद विधानाचार्य संदीप जैन शास्त्री मेहगांव वालों के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्री सर्वतोभद्र जिनालय के भूमि शिलान्यास की मांगलिक कियाएं एनसी जैन इंजीनियर एवं हिमांशु जैन परिवार एवं सभी सौभाग्यशाली भक्तों ने शिला विराजमान कर संपन्न कीं । शिलान्यास समारोह में सभी मुख्य शिला नरेंद्र कुमार जैन परिवार ने प्राप्त की। इस दौरान एटा, मैनपुरी फिरोजाबाद, ग्वालियर, सोनागिर, मुरैना, भिंड, इटावा, कुरावली, मेहगांव, बरासो, आगरा के आलावा विभिन्न नगरों की जैन समाज ने उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के समक्ष वषायोग 2024 हेतु श्रीफल भेंटकर निवेदन किया। शिलान्यास समारोह का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल एव उमेश जैन भिंड वालों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन के बाद सायः 5:00 बजे उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर कचौड़ा बाजार बेलनगंज के लिए हुआ। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि उपाध्यायश्री 108 विहसंतसागर जी महाराज ससंघ का दो दिन का मंगल प्रवास राजा की मंडी जैन मदिर में रहेगा। इसके बाद 13 और 14 मई को मोती कटरा जैन मंदिर 15 और 16 मई को छीपीटोला जैन मंदिर में मंगल प्रवास रहेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में आगरा दिगंबर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीशप्रसाद जैन, राकेश जैन पदेवाले, प्रदीप जैन पीएनसी निर्मल मौठ्या, नीरज जैन जिनवाणी चैनल, पंकज जैन, पारस जैन, शिखरचंद जैन सिंघई, राजीव जैन, दिलीप जैन उत्तम उघोग, रजत जैन, सचिन जैन, प्रमोद जैन, अमित जैन चांदी वाले, अनिल कागज, राजेन्द्र जैन, सुरेश पांड्या, सुमेर पांडया, राजू गोधा, संजू गोधा, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, समस्त बल्केश्वर एवं ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर पुण्यार्जन किया। **-रिपोर्ट शुभम-जैन**

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

आखा तीज-डालो मुक्ति का बीज

स्वयं कृतं कर्म यदात्मना परा फलं तदीयं लभते शुभा शुभम् अच्छे बुरे कर्म का फल जीव को स्वयं को ही भोगना पड़ता है। राजा हो या रंक, गरीब हो या अमीर, भिखारी हो या सम्राट सबको कर्म ने घेरा है। इसलिए कोई भी कर्म करो तो पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। और कर्म उदय में आ जाये तो समता भाव रखना चाहिए। क्योंकि जिन्दगी में बुरे दिन कभी भी, किसी के भी आ सकते हैं। जिन्दगी में सुख के लम्हें तो हवा की चाल जैसे गुजर जाते हैं,, मगर दुःख तो जैसे आकर के ठहर ही जाता है। इसलिए बुरे के लिये तैयार रहो जैसे कोरोना--? किसने सोचा था कि हमारे देश का इतना बुरा वक्त आयेगा--? बेटा कभी भी मुख मोड़ सकता है,, दोस्त कभी भी धोखा दे सकता है,, किस्मत कभी भी रूठ सकती है,, दुनिया कभी भी छूट सकती है। जिन्दगी में बहुत थोडे से ही लोग

ऐसे हैं जो दुःख और दर्द की कड़क धूप में साया बनकर मदद् करते हैं, बाकी तो खुदगर्ज होते हैं ।

इसलिए-

दुनियादारी को छोड़ के,
अपने लक्ष्य के पीछे भागते रहो..
लोगों का सिर्फ वक्त आता है,
आपका दौर आयेगा... !!!

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, झोटवाड़ा, जयपुर में अक्षय तृतीया पारणा दिवस वैशाख शुक्ला तृतीया, शुक्रवार

10 मई को सेवा कार्य किए

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का पारणा दिवस अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर प्रातः 7.30 बजे से मंदिर जी के बाहर सभी को इक्षु रस पिलाया गया । अध्यक्ष धीरज पाटनी ने बताया कि इस अवसर पर पूरी शुद्धता का ध्यान रखते हुए गन्ने के रस की मंदिर जी के बाहर मशीन लगाई गईं। सभी साधर्मी बंधुओ ने प्रातः जिनेंद्र प्रभु के दर्शन कर इक्षु रस (गन्ने का रस) सेवन कर पारणा दिवस की अनुमोदना कर पुण्यार्जन किया। कार्यक्रम पुण्यार्जक परिवार अशोक श्रीमति सरोज, कैलाश, बीना, शुभम, नेहा, पलक, झलक जैन बोहरा परिवार खेड़ली वाले थे।

अक्षय तृतिया के अवसर पर आदिनाथ भगवान के 108 कलशों से किये अभिषेक

आपमुनि श्री ब्रह्मानंद सागर शिक्षण एवं संस्कार शिविर में बह रही है ज्ञान की गंगा

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान व पुणर्याजक परिवार पूर्व चेयरमैन राजेंद्र जैन, प्रमोद जैन, बंटी जैन के द्वारा 9 दिवसीय ब्रम्ह्मनन्द सागर शिक्षण एवं संस्कार शिविर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन जूना मंदिर नवीन जिनालय में चल रहा है। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि बाल ब्रह्मचारी संजय भैया

पठारी के कुशल निर्देशन एवं सानिध्य में पिड़ावा की धार्मिक नगरी में 400 बच्चें व 300 श्रावक श्राविकाये प्रतिदिन प्रातः काल, दोपहर, रात्रि में आत्म कल्याण में सहयोगी जिनेन्द्र भगवान की वाणी का रसास्वादन कर रहे हैं।

अक्षय तृतीया पर विभिन्न सेवा कार्य किए

बारां. शाबाश इंडिया। सदिगम्बर जैन महा समिति महिला संभाग बारां की अध्यक्ष चन्द्र कला सेठी ने बताया कि दिगम्बर जैन महा समिति महिला संभाग बारां के बैनर तले श्री मति चांद बाई टोंग्या धर्मपत्नी स्वर्गीय माणक चन्द जी टोंग्या की पुण्य स्मृति में ,पशु चिकित्सा लय में चारा,पक्षियो के लिए परिंडे की श्रृंखला को आगे बढ़ाया। मीडिया प्रभारी ललिता टोंगया ने कहा कि अक्षय तृतीया के दिन प्रथम तीर्थकर आदिनाथ भगवान को 6 महीने के उपवास के पश्चात इक्षुरस से पारणा हुआ था इसलिये इस दिन गन्ने के रस की अत्यधिक महत्ता है। सचिव सरला जैन ने बताया कि आज सकल दिगम्बर जैन समाज के लिए जोड़ला मन्दिर पर गन्ने के रस की व्यवस्था समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललिता प्रकाश, शालीन नमिता,पराग अस्मिता, यथार्थ हार्दिक टोंगया परिवार द्वारा की गई। सभी आसपास निवास करने वाले व उधर आने जाने वालों को गन्ने का रस पिलाया गया, उपरोक्त सभी कार्यक्रम टोंगया परिवार द्वारा किये गए। कार्यक्रम में संभाग की पूर्व अध्यक्ष मैना बड़जात्या,संतोष कासलीवाल, कार्यकारिणी की रानी नोपडा, चंद्रकला पाटनी, शकुंतला सोनी,सरिता बड़जात्या, मंजू सोनी, विद्या गोधा, लीना जैन, रूप कुमारी जैन एवम समाज प्रबुद्ध अध्यक्ष विनोद जैन, अशोक सेठी, शिखर चन्द जैन,जिनेश पाटनी, संजय गोधा, शिखर चंद सोनी, अंकित पाटनी, विपुल चंदवाड,चेतन सोगानी, वीरेंद्र कासलीवाल ओर भी अन्य सदस्यों ने सभी कार्यक्रमो में अपनी सहभागिता दी। संस्था सचिव सरला जैन ने सभी का धन्यवाद प्रेषित किया

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महासाध्वी संयमलता की प्रेरणा पर स्कूल मे रांका परिवार ने बच्चों के अध्ययन हेतु फर्नीचर प्रदान किया

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

उदयपुर। महासाध्वी संयमलता की प्रेरणा पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ऋषभदेव मे बच्चों के अध्ययन के लिए रांका परिवार ने फनीचर दिया। श्रीवर्धमान स्थाकनवासी जैन श्रावक संघ हिरण मंगरी सेक्टर 4 प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने जानकारी देतें हुयें बताया कि शनिवार ऋषभदेव में उदयपुर श्रावक संघ अनिल झारोली की उपस्थित मे बारडोली निवासी मुकेश कुमार, विजय कुमार, भावेश कुमार रांका ने जैन श्रावक संघ के श्रमण संघीय जैन दिवाकरीय महासाध्वी डॉ. संयम लता,साध्वी अमितप्रज्ञा,साध्वी कमलप्रज्ञा साध्वी सौरभप्रज्ञा आदि की सदप्रेरणा राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के प्रधानाचार्य हेमंत कुमार भंवरा तथा स्कूल टीचर्स को बच्चों के अध्ययन हेतु बेंच कुसीर्या प्रदान की। इस दौरान संगीता बोहरा,कांता इटोदिया एवंन्त,अक्षय गडोलिया भी उपस्थित थे।

समय का करें सदुपयोग : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव गणिनी भूषण आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ वरुण पथ जैन मंदिर में विराजमान है। माताजी ससंघ सान्निध्य में अनेकों श्रद्धालुओं ने भक्ति

आराधना करने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य गुरुमाँ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य वरुण पथ जैन मंदिर के मंत्री ज्ञानचंद बिलाला सपरिवार ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - समय बहुत गतिशील है जो समय के साथ नहीं चलता, वह सफलता को प्राप्त नहीं करता। हमें अपनी दिनचर्या का व्यवस्थित निर्धारण करना चाहिए जिसने आज को ठुकराया उसने कभी अवसर नहीं मिल पाता। प्रतेयक समय का सदुपयोग सभी के जीवन को अलौकिक बवनाने में सहयोगी बनता है। समय का सदुपयोग जीवन में हर प्रकार से निखार लाता है।

अक्षय तृतीया, पारणा दिवस, दान दिवस मनाया

बगरू, जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पुज्य आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव के परम सानिध्य मे आज प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभ देव भगवान के प्रथम पारणा दिवस, अक्षय तृतीया पर्व प्राचीन ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदिर में भक्तों ने पूजा-अर्चना कर मनाया। इस दिन राजा श्रेयांस ने भगवान आदिनाथ जी को इक्षु रस का आहार दान देकर पारणा कराया, किसी भी रूप में दिया दान अक्षय बना रहता है अत्यंत फल दायीं होता है। इस महान दिवस की सार्थकता को ध्यान में रखते प्राचीन ऋषभ देव भगवान की प्रतिमा का इक्षु रस अभिषेक किया गया,बाद मे गांव में वितरण भी किया गया। मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया सभी भक्तों ने प्राचीन ऋषभदेव जिन बिम्ब का अभिषेक शांतिधारा भक्ति भाव से की। कार्यक्रम मे प्राचीन ऋषभदेव जिन बिंब का अभिषेक गुलाब पुष्प, जल, फूलों, दुग्ध, दही ,केसर से किया गया। इसमें बगरू से महावीर पाटनी, मनोज पाटनी, गौरव जैन, रवि जैन, रवीन्द्र जैन, रमेश ठोलिया, रूप चंद जैन, प्रदीप जैन पाटनी, अशोक गोधा दुर्ग, सिमरन जैन, गांव के नंदु, मूल चंद , चेतन उपस्थित थे।

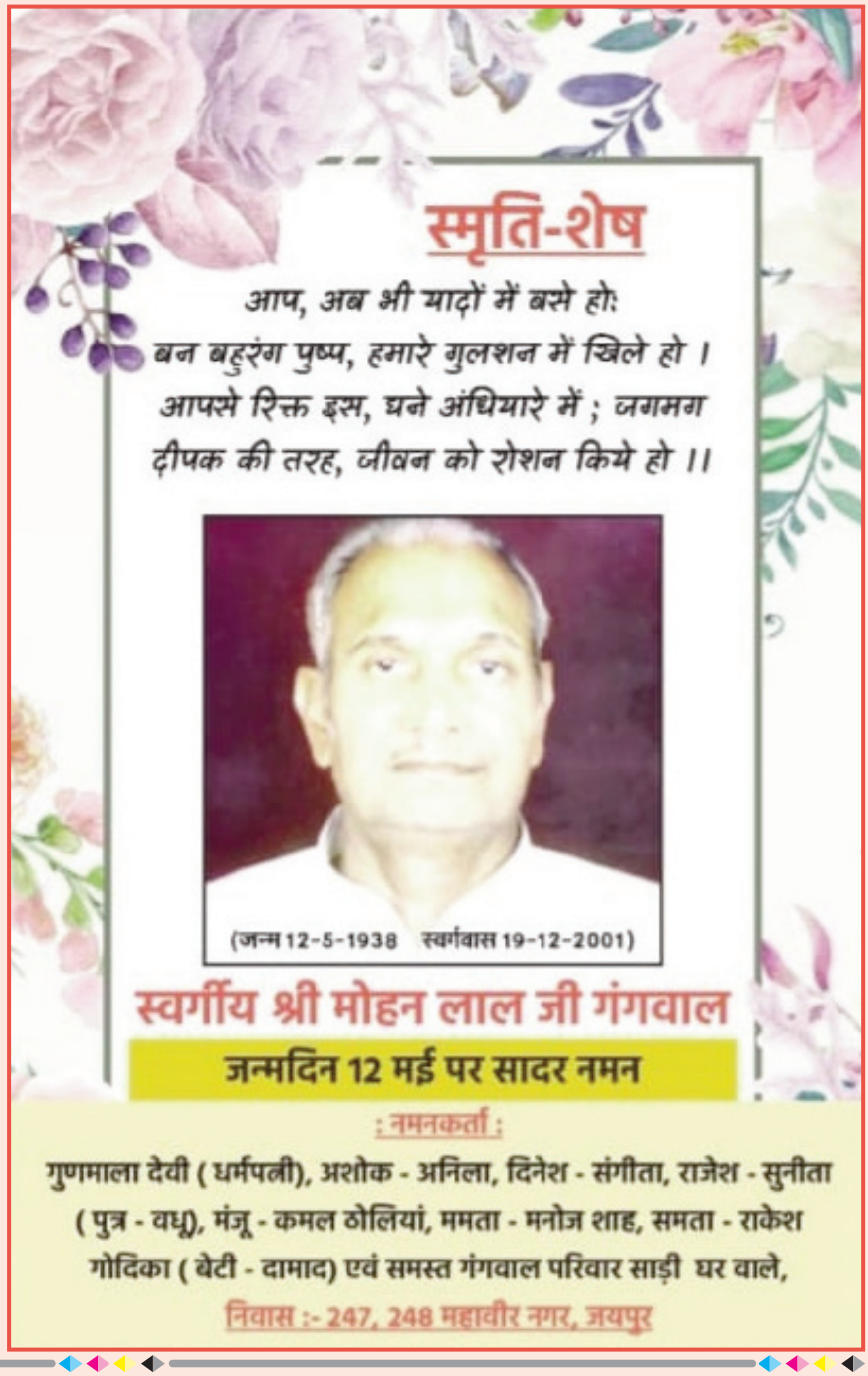

देवदर्शन से मनुष्य का जीवन मंगलमय हो जाता है : मुनिश्री शिवानंद महाराज

ज्ञानतीर्थ पर हुई आहारचर्या एवम धर्मसभा

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। यदि गृहस्थ जीवन में रहकर मनुष्य अपने पापों का नाश करना चाहता है, अपने पुण्य का संचय करना चाहता है, अपनी मनुष्य पर्याय को सार्थक करना चाहता है ।लेकिन वह त्याग नहीं कर पा रहा, पूजन भजन भक्ति नहीं कर पा रहा, मोह नहीं छोड़ पा रहा, दिगम्बरत्व धारण नहीं कर पा रहा, तो उन्हें प्रतिदिन प्रातः सोकर उठते ही महामंत्र णमोकर का स्मरण करना चाहिए तत्पश्चात नित्य क्रियाओं से निवृत होकर सबसे पहिले देव दर्शन करना चाहिए । जिनेंद्र प्रभु के दर्शन करने से, अपने इष्टदेव के दर्शन करने एवम साधुओं की, अपने गुरुओं की वंदना करने से मनुष्य के पाप नष्ट हो जाते हैं, पापों का क्षय हो जाता है और मनुष्य का जीवन मंगलमय हो जाता है । उक्त उद्गार मुनिश्री शिवानंद जी महाराज ने ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर मुरेना में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रातः कालीन वेला में दिगम्बराचार्य अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी श्री वसुनंदी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि युगल श्री शिवानंद जी महाराज एवम प्रशमानंद जी महाराज का दिल्ली से पद विहार करते हुए ज्ञानतीर्थ मुरेना में भव्य मंगल प्रवेश हुआ । बैंड बाजों एवम जिनेंद्र प्रभु के जयकारों के साथ युगल मुनिराजों के मंगल आगमन पर ज्ञानतीर्थ महा आराधक परिवार की ओर से ब्रह्मचारिणी बहिन अनीता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी एवम मुरेना जैन समाज द्वारा भव्य अगवानी की गई । आज पूज्य मुनिवर श्री शिवानंद जी महाराज का क्षुल्लक दीक्षा दिवस भी था । इस पावन अवसर पर हुई धर्मसभा का शुभारंभ बाल ब्रह्मचारिणी बहिन ललिता दीदी के मंगलाचरण से हुआ । शांतिधारा करने का सौभाग्य राजेंद्रकुमार साकेत भंडारी को प्राप्त हुआ । शास्त्र भेट करने का सुअवसर श्रीमती सुनीता सुनील जैन भोपाल एवम राजेंद्र भंडारी मुरेना को प्राप्त हुआ । धर्मसभा के दौरान ज्ञानतीर्थ पर विराजमान अनीता दीदी ने ज्ञानतीर्थ क्षेत्र का परिचय प्रस्तुत किया । बड़ा जैन मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्राचार्य अनिल जैन ने अपने साथियों के साथ पूज्य मुनिराजों को मुरेना नगरागमन हेतु श्रीफल अर्पित किया । पूज्य मुनिराजों ज्ञानतीर्थ पर ही युगल मुनिराजों की आहारचर्या संपन्न हुई। शाम को ही युगल मुनिराजो ने ज्ञानतीर्थ से बड़ा जैन मंदिर मुरेना के लिए पद विहार किया । आज रविवार को प्रातः 08.30 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा जैन मंदिर मुरेना में पूज्य मुनिराजों के प्रवचन होगें तत्पश्चात आहारचर्या होगी । शाम को सोनागिर की ओर मंगल पद विहार होने की पूर्ण संभावना है ।

एन एस पी स्कूल में मातृत्व दिवस मनाया गया

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। द साइंस एकेडमी के तत्वावधान में एन एस पी स्कूल रावतसर में मातृत्व दिवस का आयोजन उत्सव के रूप में किया गया । जिसमें बच्चों द्वारा बहुत ही आकर्षक व मनमोहन प्रस्तुतियां दी गई।सी डबल्यू सी के चेयरमैन जीतेन्द्र गोयल मुख्य अतिथि, डॉ सुभाष सोनी, विशिष्ट अतिथि तथा संस्था निदेशक सुरेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मेहमानों ने हमारे जीवन में माता के महत्व को बच्चों को समझाया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रेनू मुद्गल ने मातृत्व दिवस पर अपने विचार बच्चों के सामने रखें तथा बच्चों ने भी उनके विचारों से प्रेरित होते हुए अपने माता -पिता की सेवा का संकल्प लिया । सभी शिक्षकों ने अपने-अपने स्तर पर मातृत्व की महिमा बताते हुए बच्चों का पथ प्रदर्शन किया तथा बच्चे भी मातृत्व दिवस पर अपने कर्तव्यों का पालन करने में उत्साहित दिखे । इस अवसर पर हमारे विशिष्ट अतिथि जितेंद्र गोयल (अध्यक्ष बाल कल्याण समिति हनुमानगढ़) ने बच्चों को अपने माता-पिता की सेवा करने तथा बालिका सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

त्रिदिवसीय पुलक पर्व का समापन

पुलक पर्व के तहत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया। भारत गौरव पुलक सागर गुरुदेव के आज अवतरण दिवस पर पुलक मंच परिवार किशनगढ़ द्वारा आयोजित पुलक पर्व के तहत आज तीसरे दिन प्रातः 7 बजे से श्री महावीर जिनालय (जैन भवन) मे श्री जी के अभिषेक शांतिधारा एवं आचार्य पुलक सागर जी गुरुदेव की पूजन की गयी। मंच अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश बैद ने बताया की पुलक मंच सदस्यों ने मधुर स्वर लहरियो मे गुरुदेव की पूजन की एवं अर्घ्य समर्पित किये एवं गुरुदेव के दीर्घायु की मंगल कामना की। कार्यक्रम संयोजक रेखा टोंग्या एवं सपना भानावत ने बताया की पूजन कार्यक्रम मे मंच के जीतू पाटनी, मनोज दोसी, नरेश झांझरी, पुरण टोंग्या, मांगीलाल झांझरी, पवन झांझरी, शांति बड़जात्या, शोभा बैद, नीलू झांझरी, रेखा टोंग्या, शिल्पी पाटनी, संगीता झांझरी, शर्मिला दोसी एवं सपना भानावत सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। **अपना घर मे भोजन वितरण एवं आचार्य सुनील सागर जी का आशीर्वादः** पुलक पर्व का समापन पर पुलक मंच परिवार के सदस्यों ने आज सांय अपना घर अजमेर मे जरूरतमंदो को भोजन कराया। कार्यक्रम संयोजक प्रदीप गंगवाल एवं मनोज दोसी ने बताया की अपना घर मे नीराश्रीतो एव बेसहारा एवं अपनों के ठुकराये लोगों की वहां की व्यवस्था कमेटी बहुत अच्छे सार संभाल एवं उपचार करती है । नीराश्रीत लोग वहां एडमिट हुए तब उनकी क्या स्थिति थी और अभी क्या स्थिति है वहा की कमेटी परिवार के सदस्यों की भांति उनकी सेवा मे 24 घंटे लगी हुई रहती है । इस सेवा कार्य के लिए मंच सदस्यों ने वहा के व्यवस्थापकों को बहुत बहुत साधुवाद दिया। अपना घर कार्यक्रम के पुण्यार्जक कमल प्रकाश विमल कुमार बैद परिवार ऊंटड़ा वालें थे। अपना घर कार्यक्रम के पश्चात मंच सदस्य छतरी योजना मे विराजित आचार्य सुनील सागर जी ससंघ से आशीर्वाद प्राप्त किया एवं पूज्य गुरुदेव की मंगल आरती मे सम्मिलित हुयें। कार्यक्रम मे चन्द्र प्रकाश बैद, जीतू पाटनी, मनोज दोषी, पुरण टोंग्या, कमल बैद, नरेश झांझरी, मांगीलाल झांझरी, अरविन्द बैद, प्रदीप गंगवाल, बसंत बैद, मुकेश पापड़ीवाल, इंदरचंद पाटनी, सुभाष चौधरी, नीलु झांझरी, शिल्पी पाटनी, शर्मिला दोसी, रेखा टोंग्या, संगीता झांझरी, सपना भानावत, श्वेता बैद सहित अनेक मंच सदस्य उपस्थित थे।

जैन मिलन द्वारा अक्षय तृतीया पर इक्षु रस का वितरण

मनीष शास्त्री विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। जैन मिलन मकरोनिया क्षेत्र क्रमांक 10 के द्वारा भगवान महावीर स्वामी के 2550 वे निर्वाण महोत्सव की श्रृंखला में आज अक्षय तृतीया के दिन इक्षु रस (गन्ने का रस)का वितरण अंकुर विद्यालय फास्ट आईएएस अकैडमी दीनदयाल नगर में किया गया ।वीर सुरेश जैन अध्यक्ष जैन मिलन ने बतलाया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान ने मुनिअवस्था में अक्षय तृतीया के दिन प्रथम आहार के रूप में राजा श्रेयांश एवं राजा सोम से इक्षु रस यानी गन्ने के रस को आहार के रूप में ग्रहण किया था । जैन श्रावक इस उपलक्ष्य में दान स्वरूप गन्ने का रस वितरण करते हैं एवं अक्षय तृतीया को दान दिवस के रूप में मनाते हैं तभी से आहार दान की परंपरा शुरू हुई। हिंदू धर्म के अनुसार आज के दिन सतयुग और त्रेता युग का प्रारंभ हुआ था तथा भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का आज अवतरण दिवस भी है एवं आज से अष्टापद बद्रीनाथ के कपाट भी अक्षय तृतीया से पुनः श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाते हैं अक्षय तृतीया दान दिवस के अवसर पर फास्ट आईएएस अकादमी के बच्चों को पेन पुस्तके एवं कापी भी वितरित की गई ताकि वह ज्ञानार्जन हेतु उपयोग कर सके। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी वीर गुलझारीलाल वीर सुरेश जैन अध्यक्ष वीर अरुण जैन चंदेरिया क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर रविंद्र जैन मंत्री वीर राजेश जैन कोषाध्यक्ष वीर वीरेंद्र जैन विनीत परिधान वीर समीप जैन शिक्षक वीर आरके जैन वीर राजेश जैन वीर राकेश जैन वीर प्रकाश चंद जैन शिक्षक वीर आनंद जैन वीर प्रदीप जैन गुन्नौर वीर प्रवीण सिंघई वीर संजय जैन शक्कर वीर डालचंद जैन वीर आदित्य जैन वीर सर्वज्ञ जैन वीर दीपक जैन वीर आदर्श जैन वीर पारस जैन वीर नमन जैन वीर मनोज जैन वीर अखिल जैन वीर कुलदीप जैन वीर श्रेणिक जैन वीर संजय जैन शिक्षक के साथ-साथ जैनेत्तरबंधु श्री अखिलेश राय श्री राम नारायण मिश्रा श्री आर डी शर्मा श्री कपिल खरे पंडित आशीष दुबे श्री कुलदीप दुबे श्री अभय मिश्रा एवं रामकुमार शर्मा के साथ-साथ वीरांगना आकृति जैन दीक्षा जैन स्नेहा जैन साक्षी जैन श्रेया जैन श्रद्धा जैन मोनिका जैन रिन्सीजैन आशी जैन प्रीति जैन आर्या जैन साक्षी जैन जया जैन आकृति जैन के साथ-साथ बड़ी संख्या में वीर एवं वीरांगनाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में अक्षय तृतीया के अवसर पर गन्ने का रस वितरण करने पर सभी वीर वीरांगनाओं का आभार वीर रविंद्र जैन मंत्री एवं वीर संजय जैन शिक्षक द्वारा व्यक्त किया गया।

अग्रवाल समाज का प्रदेश स्तरीय युवक युवती परिचय सम्मेलन आज 12 मई को

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल समाज का प्रदेश स्तरीय युवक नियुक्ति परिचय सम्मेलन 12 मई को निर्माण नगर स्थित जिंदल गार्डन (200 फीट बाईपास) पर आयोजित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने बताया इस परिचय सम्मेलन में 4000 से अधिक युवक युवती ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी एवं उद्योगपति आनंद गुप्ता के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित होंगे। कार्यक्रम शुभारम्भ सुबह 9:00 बजे दीप प्रज्ज्वलित से होगा एवं अग्रसेन जी की आरती एवम स्मारिका के विमोचन के साथ आरंभ होगा इस कार्यक्रम में 5000 से अधिक लोगों की संभावित होने की संभावना है। कार्यकर्म में अग्रवाल परमार्थ सेवा समिति एवं प्रदेश स्तरीय संस्था की भी घोषणा की जाएगी ।

बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज ससंघ को चित्रकूट सांगानेर जैन समाज ने पावन चातुर्मास 2024 हेतु किया श्रीफल भेंट

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे के पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज ससंघ को सांगानेर चित्रकूंट थाना दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष केवलचंद गंगवाल की अगुवाई में पावन चातुर्मास 2024 हेतु सामूहिक रूप से जयकारों के साथ श्रीफल भेंट कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी कड़ी में अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा की अगुवाई में फागी जैन समाज ने सांगानेर समाज समिति का तिलक, साफा, माला से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सांगानेर चित्रकूंट दिगंबर समाज समिति के अध्यक्ष केवल गंगवाल, मंत्री अनिल बोहरा, कोषाध्यक्ष सत्य प्रकाश कासलीवाल, तत्कालीन अध्यक्ष प्रकाश सोगानी, पूर्व मंत्री विनोद गंगवाल, मंदिर समिति के योगेश पाटनी, मूलचंद पाटनी, बालमुकुंद सोगानी, कैलाश बैनाडा ,ओमप्रकाश कटारिया, सत्यनारायण मित्तल ,सुरेश चंद्र सिंघल, निर्मल गंगवाल, तथा जगदीश जैन बैंक वाले चाकसू सहित पूरे पदाधिकारीगण उपस्थित थे। अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी, पारस जैन नला वाले, विनोद मोदी, दीपक मोदी, ताराचंद मितल, तथा राजाबाबू गोधा फागी सहित स्थानीय समाज के सभी पदाधिकारी गणों ने सभी आगंतुक मेहमानों का सम्मान किया।

यूथ आइकॉन पूनम अंकुर छाबड़ा को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। समाजसेवा में किये जा रहे कार्यों से प्रभावित हो कर मुम्बई, महाराष्ट्र में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के कार्यक्रम में ITMUT यूनिवर्सिटी द्वारा समाजसेवी शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा को 'डॉक्टरेट' की मानद उपाधि से नवाजा गया है। संस्था के महासचिव रविन्द्र मिश्रा ने इस उपाधि को देते हुए अपने उद्धबोधन में कहा आज युवा वर्ग डॉ. पूनम अंकुर छाबड़ा को प्रेरणा स्त्रोत मानता है आज देश में डॉ. पूनम अंकुर छाबड़ा लगातार मजबूती से अपने मिशन को आगे बढ़ा रही हैं, आज देश मे यूथ आइकॉन में डॉ. पूनम का नाम सबसे ऊपर की पंक्ति में है। डॉ. पूनम अंकुर छाबड़ा ने आयोग के सभी सदस्यों एवं यूनिवर्सिटी के चांसलर को धन्यवाद अर्पित किया। गौरतलब रहे कि डॉ. पूनम अंकुर छाबड़ा पूरे देशभर मे शराबबंदी आंदोलन अनेक वर्षों से गैर राजनीतिक तरीके से चला रही हैं एवं उनके पिता हुतात्मा गुरुशरण जी छाबड़ा पूर्व विधायक इसी आंदोलन के दौरान शहिद हुए थे।

काठमांडू जैन मन्दिर में मनाया भव्य रूप से अक्षय तृतीया महापर्व

काठमांडू. शाबाश इंडिया। नेपाल की राजधानी काठमाण्डू के श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अक्षय तृतीया पर्व को विभिन्न धार्मिक आयोजन के साथ भव्य रुप से मनाया गया। जानकारी देते हुए सामुहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष - अनिता जैन सेठी ने बताया कि प्रातः काल श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन पाठ व झंडारोहण से प्रारम्भ होकर साय काल में 48 मंगल दीपको व रिद्धि मंत्रो के साथ भक्तामर स्त्रोत का पाठ किया गया। आयोजन के क्रम में सामुहिक संगीतमय महाआरती की गई। संगीतमय भजन के साथ भक्ति के रस के साथ सभी आयोजन हुए। मन्दिर क्षेत्र को विशेष रोशनी से प्रकाशमय किया गया। कार्यक्रम में आदिनाथ भगवान के गुणगान व जयकारों से पुरा मन्दिर प्रागण गुजाय मान हो गया। मन्दिर व्यवस्था कमेटी के अध्यक्ष मुनेश जैन ने बताया कि वही इस दिन मन्दिर जी की मुख्य ध्वजा नई लगाई जाती है। सभी ने जैन ध्वजा को हाथो में लेकर उमंग व उत्साह के साथ भक्ति करते हुए जैन एकता का परिचय दिया। इस पावन अवसर पर सभी भक्त जनों के लिए ताजे गन्ने का रस भी वितरण किया गया।कार्यक्रम में दिगम्बर जैन समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

अखण्ड रामायण पाठ शुरू, पाटोत्सव पर महाभिषेक एवं दीपोत्सव आज

श्रीराम दरबार एवं श्री राधा कृष्ण सरकार का द्वितीय पाटोत्सव

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा शहर में छोटी हरणी हनुमान टेकरी स्थित काठिया बाबा आश्रम में श्रीराम दरबार एवं श्री राधा कृष्ण सरकार के प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय पाटोत्सव का दो दिवसीय आयोजन शनिवार से शुरू हो गया। आश्रम के महन्त बनवारीशरण काठियाबाबा ने बताया श्री हनुमानजी महाराज की असीम अनुकंपा से हो रहे दो दिवसीय आयोजन पाटोत्सव के तहत प्रभु भक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रम होंगे। पहले दिन शनिवार को सुबह 7 बजे से 24 घंटे के अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन शुरू हो गया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से भक्तगण रामायण पाठ करने के लिए पहुचें। दूसरे दिन रविवार को सुबह 8.15 बजे ठाकुरजी का महाभिषेक किया जाएगा। शाम 5 बजे पाटोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य दीपोत्सव मनाया जाएगा एवं आश्रम परिसर में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। शाम 7.15 बजे भगवान के दरबार में छप्पन भोग की झांकी सजाई जाएगी। शाम 8.15 बजे महाकाल की तर्ज पर मंदिर परिसर में महाआरती का आयोजन किया जाएगा। पाटोत्सव दिवस पर शाम 7.15 बजे से आश्रम परिसर में भजन संध्या का आयोजन होगा। पाटोत्सव के अवसर पर शाम 5.15 बजे से भक्तों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन होगा। आयोजन को सफल बनाने ओर अधिकाधिक जनसहभागिता के लिए काठियाबाबा आश्रम से जुड़े भक्तों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए है।

वरिष्ठ नागरिक मंच की 25 वीं सृजन काव्य गोष्ठी संपन्न

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । वरिष्ठ नागरिक मंच की 25 वीं सृजन काव्य गोष्ठी आज वरिष्ठ नागरिक भवन पर मदन खटोड़ की अध्यक्षता एवम ओम उज्ज्वल के मुख्य आथित्य में संपन्न हुई।काव्य गोष्ठी का संचालन अरुण कुमार शर्मा अजीब ने अपने साहित्यिक अंदाज में किया।उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप जयंती, भगवान परशुराम जयंती और मातृ दिवस के उपलक्ष्य में सभी कवियों ने अपनी सुंदर रचनाए प्रस्तुत की। सर्वप्रथम प्रेम सोनी ने मां ज्ञान की ज्योति जगा दे सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। उसके पश्चात योगेंद्र सक्सेना ने चांद सितारे शमार्ते हैं, श्याम सुंदर तिवाडी ने त्रेता युग में जन्म लिया विष्णु के अवतार, विमल जैन ने मां तुम क्या हो मां का नहीं जहां में सानी, शशि ओझा ने जिनके हाथ में फरसा वही बलशाली हुए, रामविलास नागर अंकुर ने राष्ट्रभक्त को नमन कर रहा हिंदुस्तान, मनोहर लाल कुमावत ने सत्य बोले कौवा काटे, बृज सुंदर सोनी ने मैंने खेल खेल कर खेलने जब अपने घर को आता था, महावीर पारीक ने लूटा दे जो राणा पर भामाशाह, चिरंजीलाल टांक द्वारा वक्त वक्त की बात है, कमला शर्मा द्वारा जब चारों ओर अंधेरा हो कृष्ण भक्ति की रचना प्रस्तुत की,राष्ट्रीय कवि संगम के महेंद्र शर्मा द्वारा हर बार मर गया होता में, बंसीलाल पारस जिंदगी बे बुझ पहेली है, नरेंद्र वर्मा नरेंद्र द्वारा बचकाना पन घोंट घोंट कर पिला दिया, है ओम भदादा द्वारा संघर्ष मुट्ठी में कुछ सपने लेकर भरकर जेबों में कुछ आशाएं दिव्या ओबेरॉय ने तेरी धरती पर जन्म लिया, आज के विशेष मेहमान अजीज जख्मी द्वारा प्रस्तुत गीत कल तेरे भी दिन आएंगे तो दिल को मत छोटा कर ने वाहवाही लूटी, ओम उज्ज्वल ने हर जोर जुल्म की टक्कर में हड़ताल हमारा नारा है, साधना दीक्षित द्वारा वह मेरे करीब था आदि गीत प्रस्तुत किये। धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष मदन खटोड़ द्वारा किया गया।

श्री 1008 मुनि सुब्रत नाथ भगवान पर प्रथम अभिषेक व शांतिधारा गन्नै के रस से की

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोंक रोड पर स्थित श्री 1008 मूलनायक चमत्कारी श्री मुनि सुब्रत नाथ मंदिर जी में वैशाख शुक्ल तृतीया दिनांक 10-05-2024 दिन शुक्रवार अक्षय तृतीया पर्व (दान तीर्थ प्रवर्तन दिवस) के शुभ अवसर पर श्री 1008 मुनि सुब्रत नाथ भगवान पर प्रथम अभिषेक व शांतिधारा गन्नै के रस द्वारा शरद गौधा परिवार एवं मनीष जैन परिवार द्वारा किया गया। मंदिर जी कार्यकारिणी के अध्यक्ष कमलेश जैन ने बताया कि इसके पश्चात सभीने गन्नै के रस से अभिषेक किये ।प्रवीण मित्तल ने बताया कि उत्तम जैन, हरकचंद जैन, सुधीर जैन - लाली , रतनलाल जैन , दिनेश जैन , सौहनलाल जैन , राकेश जैन, अशोक जैन एवं समाज के सभी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मंत्री नवनीत गोधा ने बताया कि मंदिर जी के बाहर गन्ने के रस की व्यवस्था सुशील अजमेरा परिवार एवं समाज के सहयोगकर्ताओं द्वारा लगाई गई जिसमें समाज बंधुओं एवं अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों ने रस पीकर आनन्द लिया। इस पवित्र पावन दिन हस्तिनापुर में राजा श्रेंयास ने अपने भाई सोम एवं परिवार सहितआदि ब्रह्म परमेश्वर प्रथम तीर्थंकर 1008 श्री आदिनाथ भगवान को इक्षु रस का प्रथम आहार दान दिया था तबसे त्यागी-वृतियों को आहार दान की परम्परा प्रारम्भ हुई।

बनारस से पधारे डा .गजेन्द्र कुमार पांडेय ने नेटथियेट पर गाई कबीर बानी

यह संसार कागद की पुड़िया, बूंद पड़े घुल जाना है
कहत 'कबीर सुनो भाई साधो, सतुगरु नाम ठिकाना है॥

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज मस्त मौला कबीर वाणी कार्यक्रम में बनारस घराने के पंडित अनूप मिश्रा जी से दीक्षित गायक डॉ गजेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी मधुर वाणी से कबीर वाणी की ऐसी सरिता प्रवाहित की, कि सभी श्रोता मदमस्त हो भक्ति रस में हिलोरे लेने लगे।

मारवाड़ियों के गौरव में अभिवृद्धि हेतु समर्पित है अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

गणपत भन्साली, सूरत. शाबाश इंडिया

कभी-कभी कुछ यात्राएं अविस्मरणीय बन जाती है। व उन यात्राओं की यादें स्मृतिपटल पर अंकित हो जाती है। गत 2 मई को सूरत से कोलकोता के लिए प्रस्थान किया, जहां से मुझे व मेरे स्नेही श्री सुरेन्द्र जी मरोठी को 5 मई को सिलीगुड़ी के मयार्दा मैत्री रिसॉर्ट पर आयोजित महावीर इंटरनेशनल अपेक्स की गवर्निंग काउंसिल मीटिंग में भाग लेना था। सिलीगुड़ी में द्विदिवसीय प्रवास के अंतर्गत एक दिवसीय मीटिंग अटेंड कर हम दोनों पुनः कोलकोता पहुंचे। कोलकोता में हमारा पड़ाव हिंदुस्तान क्लब में था। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की गुजरात प्रदेश इकाई का उपाध्यक्ष होने के नाते व हमारे गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्री गोकुलचंद जी बजाज के निर्देशांनुसार मुझे 6 मई को दोपहर में 3 बजे कोलकोता के शेक्सपियर सरणी स्थित डक हाउस के 4इँ फ्लोर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय पहुंचना था। अक्टऋके राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार जी लोहिया का ये बड़प्पन ही था कि वे स्वंय कार ड्राइव कर मुझे लेने हिंदुस्तान क्लब पहुंचे। हालांकि लोहिया जी से में सम्भवत कुछ वर्षों पूर्व कोलकोता में अइटऋके फाउंडर डे के कार्यक्रम में मिला भी हूंगा, लेकिन ये स्पष्ट नही है। कार में बैठते ही श्री लोहिया जी से संवाद प्रारम्भ हुआ व कुछ ही मिनिटों में हम डक हाउस पहुंच गए। अइटऋके केंद्रीय कार्यालय में पहुंचते ही ऐसा लगा कि मानों में किसी कॉरपरेट हाउस में एंट्री कर रहा हूँ। प्रशासनिक ऑफिस में पहुंचा जहां लोहिया जी ने अपना स्थान ग्रहण किया व उन्होंने समीप के कक्ष में मोजूद अक्टऋके राष्ट्रीय सेक्रेटरी श्री कैलाशपति तोदी व श्री रतन जी फोगला व इसी संगठन के अन्य पदाधिकारियों से परिचय कराया। इसी बीच संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष जी सराफ भी पहुंच गए। संगठन के पदाधिकारियों ने शॉल व खेस से हमारा सम्मान किया। केंद्रीय कार्यालय में मौजूद सभी से संगठन से जुड़ी गतिविधियों पर चर्चा हुई व संगठन का गुजरात मे विस्तार हो यह मन्तव्य प्रकट किया गया। संगठन के अध्यक्ष श्री शिवकुमार जी लोहिया मुझे कॉन्फ्रेंस हाल बताने लेकर आए जहां व्यापक व्यवस्था नजर आई व दीवाल पर उन सभी पूर्व अध्यक्षों की तस्वीरें मेरा ध्यान आकृष्ट कर रही थी, ये वो तस्वीरें है जो महज फोटो युक्त कांच के फ्रेम नही थे, इन तस्वीरों में उनके पुरुषार्थ का अद्वितीय, अनुपम व अनूठा आभामंडल झलक रहा था, इन परम पुरुषार्थियों के चेहरों पर तेज प्रतिबिम्बित हो रहा था। इन दूरदर्शी व्यक्तित्वों न बल्कि इस गौरवशाली संस्था का सशक्त नेतृत्व किया अपितु देश की इकोनॉमी की अभिवृद्धि में बहुत बड़ा योगदान भी दिया है। इन शख्शियतों पर न बल्कि कोलकोता या बंगाल पूर्व ईस्ट अपितु सम्पूर्ण देशवासी गौरव करते हैं। इन महानुभावों ने मारवाड़ी समुदाय का मान-सम्मान व यश तथा गौरव बढ़ाया है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नेतृत्वकताओं में जिन उद्योगपतियों, समाजसेवियों, भामाशाओं, दानदाताओं, परोपकारियों का समावेश है। इन हस्तियों में कुछ व्यक्तित्व अब इस जगत में नही रहे, अगर हैं तो उनकी उपलब्धि पूर्ण स्मृतियां व कुछ पूर्व पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में संस्था विकास के पथ पर अग्रसर है। जो पूर्व अध्यक्ष इस नश्वर संसार को छोड़ अलविदा हो गए उनमें स्वः श्री ईश्वरदास जालान, स्वः श्री रामदास चोखानी, स्वः श्री पदमपति सिंघानिया, स्वः बद्री प्रसाद गोयनका, स्वः आनंदीलाल पोद्दार, स्वः रामगोपाल मोहता, स्व :श्री बृजलाल बियानी, स्वः श्री गोविंद दास मालपानी, स्वः श्री गजाधर सोमानी, स्वः श्री रामेश्वर लाल टांटिया, स्वः श्री भंवरलाल सिंघी, स्वः मेजर श्री रामप्रसाद पोद्दार, स्वः श्री नंदकिशोर जालान, स्वः श्री हरिशंकर सिंघानिया, स्वः श्री रामकृष्णा सरावगी, स्वः श्री मोहनलाल तुलस्यान का समावेश है। व वर्तमान में जिन पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों का संगठन को सिंचन मिल रहा हैं, व इस सिंचन से संस्था पुष्पित व पल्लवित हो रही है उनमें श्री सीताराम शर्मा, श्री नन्दलाल रूंगटा, डॉ श्री हरिप्रसाद कनोडिया, श्री रामावतार पोद्दार, श्री प्रल्हाद राय अगरवाला, श्री संतोष सराफ, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, व वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया आदि शामिल है व वे संगठन का गौरव बढ़ा भी रहे है।

भक्तामर प्रणत मौलि मणि प्रभाणा...

भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान में भगवान आदिनाथ के गूंजे जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

तारों की कूंट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 48 दीपकों द्वारा ऋद्धि मंत्रो से युक्त भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का संगीतमय आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रांगण भगवान आदिनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस दीप महार्चना का कमला देवी, पंकज - लता एवं पीयूष पाण्डया द्वारा भगवान शान्तिनाथ, भगवान महावीर स्वामी एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया गया। प्रसिद्ध गायक सुशील झांझरी एवं शिखर चन्द जैन द्वारा भक्ति मय प्रस्तुति दी गई। ऋद्धि मंत्रों का वाचन शैलेन्द्र जैन द्वारा किया गया। इससे पूर्व विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का सामूहिक जाप्य श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। अन्त में महाआरती एवं भक्तामर महिमा के साथ समापन हुआ। संचालन विनोद जैन कोटखावदा ने किया। इस मौके पर तारा चन्द चांदवाड, धनेश सेठी,विमल गोधा,गौतम पाटोदी,प्रदीप छाबड़ा,महावीर पाटनी, राजेन्द्र जैन, रवि बडजात्या, सुरेश कोठयारी, प्रेम देवी कासलीवाल, निरु छाबड़ा, पुष्पा पाटोदी, सुधा बडजात्या, सुधा जैन, ऋतु सेठी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे।

मूक पक्षियों के लिए परिण्डो का वितरण गौशाला में चारा डलवाया

राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंद्र जैन के जन्मदिन के अवसर पर जीवदया के लिए किए सेवा कार्य

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंद्र जैन के जन्मदिन के अवसर पर सुभाष उद्यान के बाहर एवम आना सागर चोपाटी पर श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवम श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा जीवदया के अंतर्गत मुक पक्षियों के लिए आमजन के मध्य परिंडो का वितरण किया गया साथ ही नागफाणी स्थित आनंद गोपाल गऊशाला में गोवंश के लिए हरा चारा डलवाया गया। श्री दिगंबर जैन महासमिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व अजमेर के महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी के नेतृत्व में समाजसेवी श्रीमति मोहिनी देवी गंगवाल श्री मनोकामना ज्वेलर्स के सौजन्य से 100 व्यक्तियो को परिण्डो का वितरण करके इसमें साफ स्वच्छ जल भरकर छत पर बालकानी पर अथवा घर की मुंडेर पर रखकर नियमित रूप से उपयोग में लेने की शपथ दिलाई गई साथ ही समिति संरक्षक राकेश पालीवाल के सहयोग से 200 से अधिक गोवंश के लिए 800 किलो हरा चारा डलवाया गया । प्रवक्ता संजय कुमार जैन ने बताया कि इस अवसर पर समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी,अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी, महामंत्री कमल गंगवाल, संरक्षक राकेश पालीवाल, कोषाध्यक्ष श्रेयांश पाटनी,विजय पांड्या एवम कविता सेठी आदि मोजूद रहे।

कीर्ति नगर जैन समाज ने भीलवाड़ा में मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज को जयपुर चातुर्मास हेतु विहार करने के लिए श्रीफल भेट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज का प्रवास अभी भीलवाड़ा में चल रहा है। कीर्ति नगर जैन मंदिर के महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि कीर्ति नगर जैन मंदिर प्रबन्धकारिणी समिति और महिला मण्डल के सदस्य आज भीलवाड़ा जाकर परम पूज्य श्रमण श्री समत्व सागर जी महाराज, मुनि श्री शीलसागर जी महाराज को भीलवाड़ा से विहार करने हेतु श्रीफल भेट कर कीर्ति नगर जैन मंदिर जयपुर में 2024 का चातुर्मास हेतु निवेदन किया । प्रचार मंत्री आशीष बैद ने बताया की परम पूज्य मुनि श्री समत्व सागर जी एवं श्री शील सागर जी महाराज भीलवाड़ा से जयपुर हेतु दिनाक 17 मई को विहार करेंगे और जयपुर परिधि में संभवतया 22 जून को मंगल प्रवेश करेंगे।

जानिए क्या है लोटा और गिलास के पानी में अंतर?

कभी भी गिलास में पानी ना पियें, भारत में हजारों साल की पानी पीने की जो सभ्यता है वो गिलास नही है, ये गिलास जो है विदेशी है. गिलास भारत का नही है. गिलास यूरोप से आया. और यूरोप में पुर्तगाल से आया था. ये पुर्तगाली जबसे भारत देश में घुसे थे तब से गिलास में हम फंस गये. गिलास अपना नही है. अपना लौटा है. और लौटा कभी भी एकरेखीय नही होता. तो वागभट्ट जी कहते हैं कि जो बर्तन एकरेखीय हैं उनका त्याग कीजिये. वो काम के नही हैं. इसलिए गिलास का पानी पीना अच्छा नही माना जाता. लौटे का पानी पीना अच्छा माना जाता है. इस पोस्ट में हम गिलास और लोटा के पानी पर चर्चा करेंगे और दोनों में अंतर बताएँगे. फर्क सीधा सा ये है कि आपको तो सबको पता ही है कि पानी को जहाँ धारण किया जाए, उसमे वैसे ही गुण उसमें आते है. पानी के अपने कोई गुण नहीं हैं. जिसमें डाल दो उसी के गुण आ जाते हैं. दही में मिला दो तो छाछ बन गया, तो वो दही के गुण ले लेगा. दूध में मिलाया तो दूध का गुण. लौटे में पानी अगर रखा तो बर्तन का गुण आयेगा. अब लौटा गोल है तो वो उसी का गुण धारण कर लेगा. और अगर थोडा भी गणित आप समझते हैं तो हर गोल चीज का सरफेस टेंशन कम रहता है. क्योंकि सरफेस एरिया कम होता है तो सरफेस टेंशन कम होगा. तो सरफेस टेंशन कम हैं तो हर उस चीज का सरफेस टेंशन कम होगा. और स्वास्थ्य की दृष्टि से कम सरफेस टेंशन वाली चीज ही आपके लिए लाभदायक है.अगर ज्यादा सरफेस टेंशन वाली चीज आप पियेंगे तो बहुत तकलीफ देने वाला है. क्योंकि उसमें शरीर को तकलीफ देने वाला एक्स्ट्रा प्रेशर आता है.

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

गिलास के पानी और लौटे के पानी में जमीं आसमान का अंतर है . इसी तरह कुंए का पानी, कुंआ गोल है इसलिए सबसे अच्छा है . आपने थोड़े समय पहले देखा होगा कि सभी साधू संत कुए का ही पानी पीते है . न मिले तो प्यास सहन कर जाते हैं, जहाँ मिलेगा वहीं पीयेंगे . वो कुंए का पानी इसीलिए पीते है क्यूंकि कुआ गोल है, और उसका सरफेस एरिया कम है . सरफेस टेंशन कम है . और साधू संत अपने साथ जो केतली की तरह पानी पीने के लिए रखते है वो भी लोटे की तरह ही आकार वाली होती है . जो चित्र में दिखाई गई है .

गिलास और लोटा के पानी में अंतर

गिलास के पानी और लौटे के पानी में जमीं आसमान का अंतर है. इसी तरह कुंए का पानी, कुंआ गोल है इसलिए सबसे अच्छा है. आपने थोड़े समय पहले देखा होगा कि सभी साधू संत कुए का ही पानी पीते है. न मिले तो प्यास सहन कर जाते हैं, जहाँ मिलेगा वहीं पीयेंगे. वो कुंए का पानी इसीलिए पीते है क्यूंकि कुआ गोल है, और उसका सरफेस एरिया कम है. सरफेस टेंशन कम है. और साधू संत अपने साथ जो केतली की तरह पानी पीने के लिए रखते है वो भी लोटे की तरह ही आकार वाली होती है. जो चित्र में दिखाई गई है. सरफेस टेंशन कम होने से पानी का एक गुण लम्बे समय तक जीवित रहता है. पानी का सबसे बड़ा गुण है सफाई करना. अब वो गुण कैसे काम करता है वो आपको बताते है. आपकी बड़ी आंत है और छोटी आंत है, आप जानते हैं कि उसमें मेम्ब्रेन है और कचरा उसी में जाके फंसता है. पेट की सफाई के लिए इसको बाहर लाना पड़ता है. ये तभी संभव है जब कम सरफेस टेंशन वाला पानी आप पी रहे हो. अगर ज्यादा सरफेस टेंशन वाला पानी है तो ये कचरा बाहर नही आएगा, मेम्ब्रेन में ही फंसा रह जाता है. दुसरे तरीके से समझें, आप एक एक्सपेरिमेंट कीजिये. थोडा सा दूध ले और उसे चेहरे पे लगाइए, 5 मिनट बाद रुई से पोंछिये. तो वो रुई काली हो जाएगी. स्किन के अन्दर का कचरा और गन्दगी बाहर आ जाएगी. इसे दूध बाहर लेकर आया. अब आप पूछेंगे कि दूध कैसे बाहर लाया तो आप को बता दें कि दूध का सरफेस टेंशन सभी वस्तुओं से कम है. तो जैसे ही दूध चेहरे पर लगाया, दूध ने चेहरे के सरफेस टेंशन को कम कर दिया क्योंकि जब किसी वस्तु को दूसरी वस्तु के सम्पर्क में लाते है तो वो दूसरी वस्तु के गुण ले लेता है. इस एक्सपेरिमेंट में दूध ने स्किन का सरफेस टेंशन कम किया और त्वचा थोड़ी सी खुल गयी. और त्वचा खुली तो अंदर का कचरा बाहर निकल गया. यही क्रिया लोटे का पानी पेट में करता है. आपने पेट में पानी डाला तो बड़ी आंत और छोटी आंत का सरफेस टेंशन कम हुआ और वो खुल गयी और खुली तो सारा कचरा उसमें से बाहर आ गया. जिससे आपकी आंत बिल्कुल साफ हो गई. अब इसके विपरीत अगर आप गिलास का हाई सरफेस टेंशन का पानी पीयेंगे तो आंते सिकुडेंगी क्यूंकि तनाव बढेगा. तनाव बढते समय चीज सिकुड़ती है और तनाव कम होते समय चीज खुलती है. अब तनाव बढेगा तो सारा कचरा अंदर जमा हो जायेगा और वो ही कचरा भगन्दर, बवासीर, मुल्व्याद जैसी सेंकडो पेट की बीमारियाँ उत्पन्न करेगा. इसलिए कम सरफेस टेंशन वाला ही पानी पीना चाहिए. इसलिए लौटे का पानी पीना सबसे अच्छा माना जाता है, गोल कुए का पानी है तो बहुत अच्छा है. गोल तालाब का पानी, पोखर अगर खोल हो तो उसका पानी बहुत अच्छा. नदियों के पानी से कुंए का पानी अधिक अच्छा होता है. क्योंकि नदी में गोल कुछ भी नही है वो सिर्फ लम्बी है, उसमे पानी का फ्लो होता रहता है. नदी का पानी हाई सरफेस टेंशन वाला होता है और नदी से भी ज्यादा खराब पानी समुन्द्र का होता है उसका सरफेस टेंशन सबसे अधिक होता है. अगर प्रकृति में देखेंगे तो बारिश का पानी गोल होकर धरती पर आता है. मतलब सभी बूंदे गोल होती है क्यूंकि उसका सरफेस टेंशन बहुत कम होता है. तो गिलास की बजाय पानी लौटे में पीयें. तो लौटे ही घर में लायें. गिलास का प्रयोग बंद कर दें. जब से आपने लोटे को छोड़ा है तब से भारत में लोटे बनाने वाले कारीगरों की रोजी रोटी खत्म हो गयी. गाँव गाँव में कसेरे कम हो गये, वो पीतल और कांसे के लौटे बनाते थे. सब इस गिलास के चक्कर में भूखे मर गये. तो वागभट्ट जी की बात मानिये ।

अर्हम फाऊण्डेशन ने बांटे परिंडे

जयपुर. शाबाश इंडिया

अर्हम फाऊण्डेशन की ओर से पक्षी मित्र अभियान के तहत जवाहर सर्किल पर बेजुबान पक्षियों के लिए 250 परिंडे बांधे व आमजन में वितरित किए साथ ही गौमाता के भोजन के लिए फूड पैकेट वितरित किए। कार्यक्रम में अर्हम फाऊण्डेश के लगभग 50 महिला व पुरुषो ने भाग लिया । अहम फाऊण्डेशन के अध्यक्ष एम. के. मित्तल ने बताया कि फाऊण्डेशन पिछले पांच वर्षों से निरन्तर विभिन्न सामाजिक धार्मिक, शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से समाज सेवा में कार्यरत है। प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन फाऊण्डेशन द्वारा किया जाता है। साथ ही विभिन्न समाज उपयोगी कार्यक्रमों के साथ-साथ जररूरत मंद लोगो को निःशुल्क मेडिकल उपकरण वर्षभर उपलब्ध कराता है। इस कार्यक्रम में रखी गंगवाल, रानीलुहाडिया, श्वेता जैन मुख्य आर्थिक सहयोगी मन्जू जैन, राजश्री खण्डेलवाल मन्जू बाकलीवाल सहयोगी रहे ।

शिवम खेत्रपाल और शौर्य भार्गव ने किया उलटफेर

जयपुर. शाबाश इंडिया

चेस पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा टैगोर पब्लिक स्कूल जयपुर में दिनांक 11.05 2024 को जयपुर जिला स्तरीय अंडर 17 शतरंज प्रतियोगिता का आगाज किया गया। सीपीए अध्यक्ष अमित गुप्ता ने बताया प्रतियोगिता में 86 लड़के और 39 लड़कियों ने भाग लिया। इसमें जयश्री पेरीवाल, एस एम एस, नीरजा मोदी स्कूल के खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता में कुल सात राउंड होंगे। ओपन कैटेगरी में अर्णव गुप्ता, गर्वित शर्मा और ओजस जोशी एवं लड़कियों की कैटेगरी में अव्याना जैन, श्रेष्ठा जैन, सौम्या जैन ने अपने तीनों मुकाबले जीत कर वर्चस्व बनाए रखा हैं जिसमें से पहले दिन हुए रोचक मुकाबले में शिवम खेत्रपाल ने

पहली वरीयता प्राप्त खिलाड़ी राज कपूर को ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया। साथ ही शौर्य भार्गव ने तीसरी वरीयता के सिद्धांत चतुवेर्दी की जीत पर ब्रेक लगाते हुए उन्हें प्वाइंट शेयर करने को मजबूर किया। वहीं लड़कियों की कैटेगरी भी अचभित करने से अछूती नहीं रही। अनरेटेड कैवल्या गोयनका ने पहली वरीयता प्राप्त आशी उपाध्याय से मैच ड्रॉ किया। प्रतियोगिता में रोचक मुकाबलों का दौर अभी जारी है। इसके साथ ही प्रतिगोगिता संचालक जयंत चतुवेर्दी ने बताया कि शहर में शतरंज माहोल को बनाए रखते हुए इसी माह 29 मई से अंतरराष्ट्रीय स्तर की फीड रेटेड शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश विदेश के 700 खिलाड़ी के भाग लेने की संभावना है ।प्रतियोगिता में 5 लाख रुपए के प्राइस वितरण किया जाएगा। यह नए खिलाड़ियों को रेटिंग पाने का उचित अवसर देगी। संस्था सचिव ललित भारड़िया ने बताया कि खिलाड़ियों की स्किल बढ़ाने के उद्देश्य से इस माह IM कोचिंग कैंप का आयोजन भी किया जाएगा। संस्था के कोषाध्यक्ष राजेंद्र अरोड़ा ने बताया कि संस्था में नए सदस्य को मिलाकर 40 सदस्य हो गए हैं। वर्तमान में नए सदस्य जोड़ने के लिए आवेदन प्रक्रिया चल रही है।